दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष :10 अंक : 87 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, रविवार 20 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

सीएम भजनलाल शर्मा ने सीकर में की जनसुनवाई, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीकर के सर्किट हाउस में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में भूमि अतिक्रमण, अनुकंपा नियुक्ति, प्याज और दूध के खरीद मूल्य में वृद्धि करने सहित स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, राजस्व, और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से संबंधित परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रत्येक परिवेदना पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, खंडेला विधायक सुभाष मील, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, संभागीय आयुक्त जयपुर पूनम, जयपुर आईजी अजयपाल लांबा, जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चौमूं में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत, तलवार भेंट

जयपुर टाइम्स

जयपुर/चौमूं। शेखावाटी दौरे पर जाते समय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का रास्ते में जगह जगह अभूतपूर्व स्वागत किया गया। जयपुर से सीकर जाते समय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का चौमूं में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। नेशनल हाईवे 52 पर स्थित टांटियावास टोल प्लाजा से लेकर राधास्वामी बाग चौराहे और आर चंद्रा रिसोर्ट तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पलक-पांवड़े बिछाकर, पुष्प वर्षा कर और 51 किलो की माला पहनाकर मुख्यमंत्री का अभूतपूर्व स्वागत किया। राधास्वामी बाग चौराहे पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा के नेतृत्व में भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल आर चंद्रा रिसोर्ट पहुंचे, जहां मंच पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान उन्हें साफा पहनाया गया और तलवार भेंट की गई। मंच पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक सैनी, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व अध्यक्ष अर्चना कुमावत और समाजसेवी मुकेश सैनी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार को आए अभी केवल 16 महीने हुए हैं, लेकिन इस अल्प अवधि में ही हमने 55 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए जो वादे किए गए थे

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के खिलाफ टिप्पणी से राजपूत समाज में आक्रोश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास की टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ गया है। दीया कुमारी पर कथित टिप्पणी को लेकर राजपूत समाज के सबसे बड़े संगठन राजपूत सभा ने इस संबंध में एक पत्र लिखकर अपनी कड़ी आपत्ति जता दी है। इसके साथ ही प्रतापसिंह से माफी की मांग भी की गई है। गौरतलब है कि खाचरियावास पर आरोप है कि उन्होंने दीया कुमारी को लेकर भद्दी टिप्पणी की थी। हालांकि खाचरियावास का कहना है कि उन्होंने इस टिप्पणी में किसी का नाम नहीं लिया। दरअसल विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब पिछले दिनों ईडी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर प्रतापसिंह खाचरियावास ने आरोप लगाया कि सरकार ने गोविंद देवजी के मंदिर को आवंटित 100 करोड़ की राशि काट दी, जबकि आईफा अवार्ड्स के लिए इतनी ही राशि खर्च की। इसी दौरान उन्होंने फिजिकल टच को लेकर भी टिप्पणी कर दी। खाचरियावास की इस टिप्पणी को लेकर अब हंगामा खड़ा हो गया है। राजपूत सभा ने पत्र लिखकर पूर्व मंत्री के बयान की कड़ी आलोचना की है। पत्र में लिखा है कि खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि कि आप जैसे नेता पार्टी तुष्टिकरण के लिए राजपूत समाज की मर्यादा को खराब कर रहे हैं। यह आपको बिल्कुल शोभा नहीं देता। पार्टी पॉलिटिक्स करना आपका अधिकार है लेकिन इसके साथ ही समाज की मर्यादा का ध्यान रखना प्रथम कर्तव्य है। आपके इस बयान से राजपूत समाज आहत हुआ है। नारी की अस्मिता और संस्कृति की रक्षा करना हमारे लिए सर्वोपरि है। हम आपकी अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं अत आप सार्वजनिक रूप से इस वक्तव्य पर खेद प्रकट करते हुए अपने शब्दों को वापस लें। बता दें कि खाचरियावास खुद राजपूत समाज से आते हैं और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत के भतीजे हैं।

नेहरू ने राजनीति नहीं, डर का सामना करना सिखाया : राहुल गांधी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी विरासत भारतीयों को उत्पीड़न का विरोध करने और स्वतंत्रता का दावा करने का साहस देना था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परदादा - से सत्य और साहस विरासत में मिला है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी नेता संदीप दीक्षित के साथ एक बातचीत के दौरान कही, जो उनके सोशल मीडिया साइट एक्स हैंडल और यूट्यूब चैनल पर पोस्ट की गई। यह बातचीत एक पॉडकास्ट स्टाइल वीडियो में 'सच और हिम्मत - नेहरू से जो मैंने विरासत में पाया' नाम के शीर्षक से साझा की गई है। राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू ने हमें राजनीति नहीं सिखाई, बल्कि हमें डर का सामना करना और सच के लिए खड़ा होना सिखाया। उन्होंने भारतीयों को अत्याचार का विरोध करने और आखिरकार स्वतंत्रता हासिल करने की हिम्मत दी।' उन्होंने कहा कि नेहरू की सबसे बड़ी विरासत थी सच की निरंतर खोज, यही सिद्धांत उनके पूरे जीवन को आकार देता था। राहुल गांधी ने कहा कि उनके अंदर भी वही खोज की भावना और सच्चाई को जानने की जिज्ञासा है जो नेहरू में थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें सवाल पूछना सिखाया, जिज्ञासु रहना सिखाया। ये सब मेरे खून में है। राहुल गांधी ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उन्हें नेहरू से जुड़े कई किस्से सुनाए थे। उन्होंने बताया कि दादी ने बताया कि कैसे नेहरू पहाड़ों में घूमते हुए लगभग एक ग्लेशियर में गिर पड़े थे, कैसे जानवर उनके परिवार का हिस्सा थे और कैसे उन्होंने कभी व्यायाम छोड़ना नहीं सीखा।' उन्होंने लिखा कि मेरी मां आज भी बगीचे में बैठकर पक्षियों को निहारती हैं। मैं जुडो करता हूं। ये सिर्फ शौक नहीं हैं, ये हमारे स्वभाव का हिस्सा हैं। हम दुनिया को ध्यान से देखते हैं, उससे जुड़े रहते हैं और चुनौतियों का सामना शांत शक्ति से करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस ने असल में हमें डर से दोस्ती करना सिखाया। उन्होंने हमें न समाजवाद, न राजनीति, बल्कि हिम्मत सिखाई। गांधीजी ने सिर्फ सच के सहारे एक साम्राज्य को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर आप अहिंसा में विश्वास रखते हैं तो सच ही आपका एकमात्र हथियार होता है। चाहे उन नेताओं के साथ कुछ भी हुआ हो, उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यही उन्हें महान बनाता है।' राहुल गांधी ने बताया कि चाहे वो बिल गेट्स से बात कर रहे हों या किसी साधारण व्यक्ति चेतराम मोची से, वे सबको एक ही नजर से देखते हैं। उन्होंने कहा कि 'असली नेतृत्व का मतलब नियंत्रण नहीं, करुणा होता है। आज के भारत में, जहां सच असुविधाजनक हो गया है, मैंने अपना रास्ता चुन लिया है। मैं सच के साथ खड़ा रहूंगा, चाहे इसकी कितनी भी कीमत चुकानी पड़े'।

ट्रंप के झटके के बाद ड्रैगन के बदले सुर, भारतीय कंपनियों का चीन में स्वागत

जयपुर टाइम्स

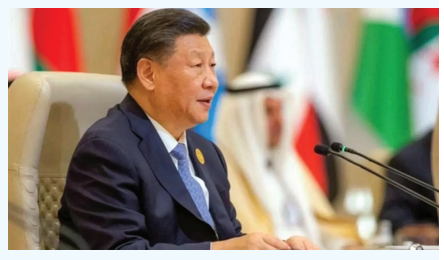

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत की कोशिश है कि इसे कैसे कम किया जाए। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से परेशान चीन ने ही भारत के सामने एक बड़ा ऑफर पेश किया है। चीन अब भारत के साथ व्यापार घाटे को कम करने को तैयार है। उसने भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

भारत से मजबूत संबंध चाहता है चीन

चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने कहा कि चीन भारत के साथ मजबूत संबंध चाहता है। हम भारत के व्यापार घाटे को भी कम करने को तैयार हैं। चीन में भारतीय निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत में भी चीनी कंपनियों को उचित माहौल दिया जाएगा। जू फेइहोंग ने कहा कि प्रीमियम भारतीय प्रोडक्ट का चीनी बाजार में स्वागत है। चीनी राजदूत ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध लाभदायक होंगे। व्यापार घाटे पर कहा कि चीन ने कभी जानबूझकर व्यापार अधिशेष को नहीं बढ़ाया है। यह बाजार की प्रवृत्ति और बदलती आर्थिक स्थितियों के कारण होता है। मगर हम भारत के साथ व्यापार घाटे क कम करने को तैयार हैं।

चीन के बाजार में अपार संभावनाएं

चीनी राजदूत ने शी चिनफिंग के हवाले से कहा कि चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यहां के विशाल मध्यम-आय वर्ग में निवेश और खपत की अपार संभावनाएं हैं। भारतीय व्यवसायों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में भारत से चीन ने मिर्च, लौह अयस्क और सूती धागे का आयात किया। भारत भी क्रमश 17%, 160% और 240% से अधिक निर्यात वृद्धि का गवाह बना। जू फेइहोंग ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत भी चीन की चिंताओं को गंभीरता से लेगा। चीन के उद्योगों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और भेदभाव पूर्ण माहौल देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां चीनी खरीदारों और उपभोक्ताओं से जुड़ने के लिए चाइना इंटरनेशनल इम्पोर्ट एक्सपो, चाइना- एशिया एक्सपो और चाइना इंटरनेशनल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एक्सपो जैसे प्लेटफार्मों का लाभ उठा सकती हैं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति की जयपुर यात्रा को लेकर सीएम ने ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित (21 से 24 अप्रेल) जयपुर यात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में शनिवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों की बैठक ली। शर्मा ने निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति वेंस की जयपुर यात्रा को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के लिए संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाएं। साथ ही, शहर में यातायात नियंत्रण को लेकर भी समुचित व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन व संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति की जयपुर यात्रा से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया जाए। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित जयपुर यात्रा में उनके साथ धर्मपत्नी उषा वेंस, उनके बच्चे और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्य भी शामिल होंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति का जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते सऊदी अरब जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते सऊदी अरब जाएंगे

जयपुर टाइम्स

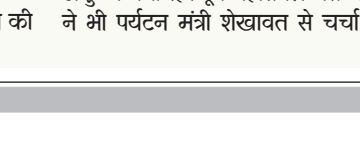

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। यह दौरा सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रहा है। प्रधानमंत्री 22 और 23 अप्रैल को जेद्दा शहर में होंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार को विदेश मंत्रालय की एक विशेष प्रेस वार्ता में इस यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत और सऊदी अरब के संबंधों के लिए बहुत अहम है। मिस्री ने कहा कि सऊदी अरब इस्लामी दुनिया में एक प्रमुख आवाज है और वह अब क्षेत्रीय मामलों में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच अच्छे और गर्मजोशी भरे संबंध हैं। इनकी आपसी समझ और उच्च स्तर की रणनीतिक सोच से दोनों देशों के संबंध और मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सऊदी अरब के जेद्दा शहर में होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री की क्राउन प्रिंस से मुलाकात होगी। साथ ही, औपचारिक स्वागत समारोह और द्विपक्षीय वार्ता होगी। यात्रा के दौरान दोनों नेता 'भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद' की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मिस्री ने बताया कि इस परिषद के दो मुख्य स्तंभ राजनीतिक और आर्थिक हैं, जिन्हें दोनों देशों के मंत्री संभालते हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने किया सोनार दुर्ग का दौरा, संरक्षण और विकास पर जताई चिंता

जयपुर टाइम्स

जैसलमेर(निसं.)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने दो दिवसीय जैसलमेर दौरे पर शुक्रवार को सबसे पहले विश्व प्रसिद्ध सोनार किले (सोनार दुर्ग) पहुंचे। यहां उन्होंने दुर्ग की मौजूदा स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया और संरक्षण कार्यों का जायजा लिया। उनके साथ जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी और नगर परिषद आयुक्त लाजपाल सिंह सोढा और एएसआई के अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहें। मंत्री शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार जैसलमेर दुर्ग के संरक्षण के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुर्ग के संरक्षण और पर्यटन विकास से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स को जल्द प्राथमिकता से पूरा किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नए प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य में पारंपरिक स्थापत्य शैली और पुरातत्व विभाग की सलाह का पालन किया जाएगा ताकि दुर्ग की ऐतिहासिकता अक्षुण्ण बनी रहे। पूर्व महारावल चैतन्य राज सिंह ने भी पर्यटन मंत्री शेखावत से चर्चा की। पूर्व महारावल ने कहा कि फोर्ट को लेकर पहले मास्टर प्लान बनाया जाएगा। वहीं मास्टर प्लान पर पहले काम होगा। उसके बाद दुर्ग में दूसरे रास्ते को लेकर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बिना हड़बड़ी में वैकल्पिक रास्ते निकालने को लेकर मैने मंत्री शेखावत को इंकार किया है।

मंत्री ने दुर्ग की हालत पर चिंता जताई

इस निरीक्षण के दौरान मंत्री शेखावत ने दुर्ग के बाहर गोपा चौक क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को भी देखा। आयुक्त लाजपाल सिंह ने उन्हें विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने दुर्ग के दूसरे प्रवेश द्वार के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि मौजूदा समय में दुर्ग में एक ही मुख्य प्रवेश द्वार के माध्यम से पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही होती है, जिससे अक्सर भारी भीड़भाड़ हो जाती है। इससे न सिर्फ पर्यटकों को असुविधा होती है बल्कि दुर्ग की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराता है। नए द्वार के निर्माण से भीड़ का दबाव कम होगा और सुरक्षा प्रबंधों को बेहतर किया जा सकेगा। सोनार दुर्ग के निरीक्षण के दौरान गजेंद्र सिंह शेखावत ने किले की बिगड़ती हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की।

अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

जिसके बाद मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रतिबंधित क्षेत्र में लगातार बिना अनुमति के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे इस ऐतिहासिक धरोहर को अपूरणीय क्षति हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि ऐसे अवैध निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगाई जाए और खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मंत्री ने कहा कि सोनार दुर्ग सिर्फ राजस्थान ही नहीं, पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। इसके संरक्षण के लिए कठोर कदम उठाना अनिवार्य है। अगर आज हम सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। निरीक्षण के बाद मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सोनार दुर्ग में स्थित नगर आराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना कर दुर्ग और देश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रांगण में स्थानीय लोगों ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

श्री अग्रवाल महासभा दक्षिण इकाई में होगा विवाह योग्य युवक-युवतियों का पंजीकरण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री अग्रवाल महासभा की दक्षिण इकाई अलवर द्वारा अग्र हैल्प डेस्क के माध्यम से दिनांक 20 अप्रैल 2025 रविवार को प्रातः 11 बजे से दोप0 4 बजे तक विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवतियों का विशेष बॉयो-डेटा शिविर श्री अग्रवाल छात्रावास, नयाबास सर्किल के पास अलवर मे रखा गया है। जिसमे सभी अग्रवाल बन्धुओं से निवेदन है कि विवाह योग्य सुपुत्र सुपुत्रियों के बायोडेटा लेकर निर्धारित समय पर पहुंचकर अपने विवाह के लिए पंजीकरण करवा सकते है। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि आज के समय में उचित वर-वधु का मिलना एक जटिल प्रक्रिया है। जिसे समाज के द्वारा एक ही स्थान पर यह व्यवस्था की गई है कि आप अपने समाज के योग्य वर-वधु का चयन कर सके। अग्रवाल धर्मशाला संयोजक राकेश बंसल ने सभी अग्रबन्धुओ से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या पधार कर इस पंजीकरण के कार्य को सफल बनाये। दक्षिण इकाई के अध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि पंजीकरण की प्रत्येक रविवार को श्री अग्रवाल छात्रावास में आयोजित होती है। इसी क्रम में एक विशेष बायोडेटा पंजीकरण शिविर विस्तृत स्तर पर आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना में जिले के पात्र विशेष योग्यजन 15 मई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना वर्ष 2025 हेतु विशेष योग्यजन 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि जिले के दिव्यांग छात्र-छात्रा एवं दिव्यांग युवा रोजगार हेतु अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना वर्ष 2025 के तहत आवेदन कर सकते हैं। जिले के इच्छुक विशेष योग्यजन जो 40 प्रतिशत या इससे अधिक की चलन निशक्तता रखते है केवल वे ही विशेष योग्यजन अपने नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में 15 मई 2025 तक आईकन के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु मूल निवास प्रमाण पत्र, पेंशन पीपीओ/पेंशन पीपीओ के अभाव में आय प्रमाण पत्र (वार्षिक आय 2 लाख से कम), आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, आयु का प्रमाण पत्र (6 माह से अधिक पुराना मान्य नहीं)/निशक्तता प्रमाण पत्र/नियमित अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र, रोजगार का प्रमाण पत्र, शपथ पत्र (गत 8 वर्षों में भारत सरकार/राजस्थान सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजना में मोट्राई'ड ट्राई साईकिल/स्कूटी वाहन प्राप्त नहीं करने का शपथ पत्र), ड्राईविंग लाईसेंस, दिव्यांगता प्रदर्शित करते हुए फोटो संलग्न करना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला कार्यालय एवं विभागीय दिशा निर्देश वेबसाइट पर उपलब्ध है।

श्री शिव मंदिर स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम हुए आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। एन ई बी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में स्थित शिव मंदिर के स्थापना दिवस का आयोजन धूमधाम से मनाया गया प्रातः 7.15 बजे शिव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नरेश गोयल द्वारा हवन आहुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। हवन में कॉलोनी के निवासियों द्वारा सपत्नी आहुति दी गई और देश में सुख शांति की कामना की गई तत्व पश्चात 11.15 बजे से प्रसादी वितरण का कार्यक्रम किया गया जिसमें इच्छुक भक्तों ने बैठकर प्रसादी प्राप्त की तथा शाम को 7.15 बजे महाआरती का कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन में अध्यक्ष नरेश गोयल, पूर्व अध्यक्ष महेश रावत, संरक्षक गणेश अग्रवाल, श्री राम गुप्ता, राजेश गुप्ता, मनीष खंडेलवाल, दिलीप खंडेलवाल, शंभू दयाल खंडेलवाल, अमित सोनी, जीडी अग्रवाल, ए एन मिश्रा, पवन साहू, कल्याण खाती, बालकिशन आहूजा, दीपेश गोयल और भी अन्य सेवादारों ने इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी प्रदान की।

जानलेवा हमले व फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) दिल्ली मुम्बई एक्स्प्रेस वे पर टोलकर्मियों पर जानलेवा हमले व फायरिंग के दो आरोपीयो को थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी 10-10 हजार रुपये के ईनामी थे थाना पुलिस ने बताया कि 10 अप्रैल को दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर पिनान टोल पर टोलकर्मियों पर जानलेवा हमला करने के मामले में गिरफ्तार किया है यह कार्यवाही राजगढ़ थानाधिकारी राजेश मीना की टीम ने की।

कृष्ण जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) देव सेना प्रदेशाध्यक्ष ज्ञानसिंह गुर्जर ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये ग्राम मोलाहेड़ा निवासी कृष्ण कुमार पुत्र भोमाराम गुर्जर को कोटपूतली-बहरोड़ जिले का वरिष्ठ संगठन उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि कृष्ण संगठन में प्रदेश सचिव के पद पर भी कार्यरत है।

सुचारु पेयजल व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

जिला कलक्टर के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारियों ने जलदाय विभाग की टीम के साथ अलसुबह फील्ड में जाकर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देश पर जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों व तहसीलदारों ने जलदाय विभाग की टीम के साथ अलसुबह फील्ड में रहकर धरातल पर पेयजल सप्लाई व्यवस्था का जायजा लेकर आमजन से फीडबैक लिया। उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर ने शहर के अल्कापुरी, शिवाजी पार्क, बनर्जी का बाग आदि स्थानों की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लेकर जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि जिन नई बोरिंग में विद्युत कनेक्शन हो गए हैं उन्हें तुरंत चालू कराए तथा ऐसे बोरिंग जिनमें विद्युत कनेक्शन नहीं हुए हैं तथा डिमांड ड्राफ्ट जमा हो गई है उन बोरिंग में तुरंत विद्युत कनेक्शन कराए। इसी प्रकार जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों व तहसीलदारों ने जलदाय विभाग की टीम के साथ अपने -अपने क्षेत्र के कई वार्डों में घर - घर जाकर आमजन से पेयजल आपूर्ति का फीडबैक लिया। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियंता व सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया कि क्षेत्र में सुचारु पेयजल आपूर्ति हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग रखे। टेलएंड में पेयजल आपूर्ति सुचारु कराने हेतु फिल्ड स्टाफ निरंतर निगरानी रखे। पाइपलाइन लीकेज कि सूचना मिलते ही तुरंत दुरुस्त करावे। पानी कि मोटर आदि उपकरण ख़राब होने पर तुरंत दुरुस्त करावे। पेयजल प्रभावित क्षेत्रों में टेंकर्स से आपूर्ति कराई जावे। पेयजल आपूर्ति से जुडी आमजन कि समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उसका त्वरित निदान करने के प्रयास करें तथा राइजिंग लाइन से अवैध नहीं रहे, यदि कोई मिले तो उन्हें तुरंत हटवाना सुनिश्चित करावें। उन्होंने मौके पर आमजन कि परिवेदनाओं को सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के दिशा निर्देशों की पालना में जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर कार्य कर रहा है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला इसकी निरंतर प्रभावी मॉनिटरिंग कर रही है। उन्होंने विगत दिनों औचक निरीक्षण कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा भी लिया था।

आमजन पेयजल समस्या के संबंध में दर्ज करा सकते हैं शिकायत

जिला कलक्टर ने जिले में आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए आमजन की परियोजनाओं के निस्तारण के जिला प्रशासन द्वारा 'अलवर वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल' लॉन्च किया है जिस पर आमजन पेयजल संबंधी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। साथ ही शहर की पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु मिनी सचिवालय के कमरा नंबर 108 में वॉर रूम स्थापित किया गया है जिसके दूरभाष नम्बर 0144-2338000 पर भी आमजन पेयजल संबंधी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। पोर्टल एवं वार रूम में प्राप्त शिकायतों पर तुरन्त संज्ञान लेकर पेयजल शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान कराया जा रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सोनी ने किया सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अलवर के निर्देशानुसार निर्भया कांड 2012 के बाद महिला सुरक्षा को लेकर की गई सिफारिशों के अंतर्गत निर्भया फंड के अंतर्गत स्थापित किए गए सखी वन स्टॉप सेंटर जिनका उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के कारण उन्हें एक ही स्थान पर सभी जरूरी सहायताएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाना है, उसी के तहत अलवर जिला मुख्यालय पर राजकीय राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय के सामने स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अलवर मोहनलाल सोनी के द्वारा शनिवार को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गृह के रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर पाया गया कि गत निरीक्षण से शनिवार तक सेंटर पर कुल 20 महिलाओं द्वारा सहायता के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर पर संपर्क किया गया। इसके साथ ही केंद्र प्रबंधक द्वारा बताया गया कि 181 हेल्पलाइन के जरिए कुल 41 महिलाओं द्वारा विधिक सहायता एवं सलाह हेतु केंद्र पर संपर्क किया गया। रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर कुल 06 महिलाओं को केंद्र में रात्रि आश्रय उपलब्ध करवाया जाना पाया गया। इसके अतिरिक्त केंद्र पर उपस्थित होने वाली कुल 10 पीड़ित महिलाओं को उनकी समस्या के संबंध में विधिक सहायता/सलाह उपलब्ध करवाया जाना बताया गया। गत निरीक्षण से अब तक कुल 02 महिलाओं को विधिक सहायता उपलब्ध करवाए जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर में रैफर किया जाना पाया गया। उक्त दोनों महिलाओं का विवरण प्राप्त करके सोनी द्वारा आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। केंद्र प्रबंधक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में सेंटर के कर्मचारियों को वेतन नियमित रूप से मिल रहा है एवं मार्च 2025 तक का भुगतान किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान सेंटर पर उपलब्ध फर्स्ट एड किट में दैनिक उपयोग की दवाईयां पाई गई। सोनी द्वारा सेंटर के शौचालयों, पीने का पानी, शेल्टर की स्थिति और सफाई, काउंसलिंग व मेडिकल स्टॉफ आदि की नियुक्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था तथा महिलाओं की गोपनीयता व संधारित किए जाने वाले रिकॉर्ड का निरीक्षण किया गया।

व्यक्तित्व विकास और सुसंस्कारों पर हुई कार्यशाला

नेक कमाई की पहल, बच्चों में डालेंगे सुसंस्कार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से बच्चों में व्यकितत्व विकास और सुसंस्कार विकसित करने के लिए एक दिवसीय निशुल्क कार्यशाला विजय मंदिर रोड पर स्थित एल.सी. आर. पब्लिक स्कूल में हुई। एलसीआर स्कूल के गणेश जी मेडिटेशन हॉल में हुई इस कार्यशाला में जर्मनी, अंग्रेजी सहित कई भाषाओं की जानकार मोटिवेशनल स्पीकर निष्ठा नारंग ने बच्चों को आत्मविश्वास विकसित करने के तरीके बताए और कई भाषाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर निष्ठा ने कई प्रतियोगिताएं भी कराई। इनका सहयोग डिजिटल क्रिएटर मानवेन्द्र सिंह ने किया। नेक कमाई के कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि इस अवसर पर संरक्षक दौलत राम हजरती ने संस्था के इस कार्य की जानकारी दी। हजरती के अनुसार नेक कमाई बहुत से स्कूलों में जाकर बच्चों में आत्मविश्वास और सुसंस्कार विकसित करने की कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है इस टीम में निष्ठा नारंग, मंजू चौधरी अग्रवाल, गायत्री परिवार से प्रतिभा सिंह, शिक्षाविद प्रवीन बत्रा, राजेश लवानिया, भपंग वादक युसूफ खान, कवि रामचरण राग सहित विशेषज्ञों की टीम है। स्कूल चेयरमैन प्रदीप वतराना ने आभार जताया। प्रिंसीपल यश अरोड़ा ने निष्ठा नारंग को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम में शिक्षिका अंशु, निधि, नेहा, सोनम, चिंकी और प्रियांशी आदि थे। इस तरह की सेमिनार आगामी दिनों में और आयोजित की जाएंगी जिसमें आर्ट आफ लिविंग की ध्यान विधियों ओर संस्कारों की जानकारी संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल देंगी।

दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार, घटना के बाद से ही चल रहा था फरार

आरोपी धर्मपाल उर्फ धर्मा सैनी सरूण्ड थाने के टॉप 10 अपराधियों में है शामिल

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने जानकारी देते हुये बताया कि इस सम्बंध में पीड़िता ने दर्ज करवाया था कि आरोपी धर्मपाल पुत्र श्रीराम सैनी विगत दो वर्षो से मेरे साथ जबरन गलत काम कर रहा है। विरोध करने पर बदनाम करने की धमकी देता है। विगत 19 फरवरी 2025 को आरोपी धर्मपाल पीड़िता के घर पर आया एवं गलत काम करने का प्रयास किया तो उसके विरोध करने पर मारपीट की। पीड़िता के हो हल्ला करने पर आरोपी उसके घर से भाग गया। इसकी सूचना पुलिस को देने पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुये घटना स्थल का निरीक्षण कर एफएसएल एवं मोबाईल टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किये गये। साथ ही पीड़िता एवं गवाहों के बयान लेते हुये पीड़िता के बयान न्यायालय में भी रिकॉर्ड करवाये गये। पुलिस द्वारा आरोपी धर्मपाल के सभी ठीकानों पर दबिश दी गई। वहीं शुक्रवार 18 अप्रैल को मुखबीर की सूचना पर अभियुक्त धर्मपाल उर्फ धर्मा (29) पुत्र श्रीराम सैनी निवासी वार्ड नं. 06 ग्राम हरसौरा हाल आबाद गायत्री विहार कॉलोनी, गोरधनपुरा को पुलिस ने कोटपूतली पुलिया के पास से दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त धर्मपाल सरूण्ड थाने के फरार चल रहे आरोपियों व टॉप 10 अपराधियों की सूची में भी शामिल है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि किसी भी प्रकरण में फरार चल रहे अभियुक्त को बक्शा नहीं जायेगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को भेजा पत्र, अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में अधूरी सड़कों के प्रति ध्यान आकर्षित किया

अलवर(निसं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखकर बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की स्वीकृत सड़को के कार्य शीघ्र करवाने का आग्रह किया है। जूली ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अलवर ग्रामीण में नॉन पेचेबल / मिसिंग लिंक सड़कों की स्वीकृति होने के उपरांत भी कार्य प्रारंभ / पूर्ण नहीं हुआ हैं। जिससे आमजन को आवागमन में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा की स्वीकृति के अनुरूप सड़कों के कार्य प्रारंभ / पूर्ण करवाने का श्रम करें। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया कि तुलेडा से रायबका सड़क, मुख्य सपंर्क सड़क से चिरखाना सड़क, बिजोपुर से भण्डवाडा सड़क, संपर्क सड़क से घाटला सड़क, ककराली से मिल्कपुर सड़क, संपर्क सड़क से देसुला सड़क, अकबरपुर से अहमदपुर सडक, भण्डवाडा से चांदोली सड़क, संपर्क सडक से चंदबास सडक नॉन पेचेबल सड़क तथा चुहड सिद्ध से बालाडहरा सड़क, सिरावास सडक से रामनगर सडक, घाटी बास से चांदोली सड़क, जयपुर रोड़ से माचडी सड़क, शाहपुर धौकड़ी से अमृतबास सड़क, चुहड सिद्ध से धौकड़ी सड़क, ककराली से पीलवा सडक, पडीसल सडक से भण्डवाडा सडक, चांदोली से रोजा का बास सड़क मिसिंग लिंक सड़क का कार्य होना शेष है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न, विभागीय प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला सचिवालय सभागार में जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी महत्वपूर्ण बैठकों की तैयारियों सहित जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं और प्रकरणों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित दिशा बैठक हेतु सभी विभागों द्वारा आवश्यक सूचनाएँ व अद्यतन प्रगति रिपोर्ट समय पर तैयार कर प्रस्तुत की जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में सभी बिंदुओं पर समुचित तैयारी के साथ भाग लें, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाई जा सके। बैठक में राजकाज ई-फाईल प्रणाली की प्रगति रिपोर्ट पर भी समीक्षा की गई, उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं वीसी से जुड़े उपखंड अधिकारियों को अपने कार्यालय में ई-फाइल के माध्यम से कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ई-गवर्नेंस की दिशा में तेजी से कार्य सुनिश्चित किया जाए ताकि फाइलों के निस्तारण में पारदर्शिता और समयबद्धता बनी रहे। सम्पर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों के निस्तारण की स्थिति पर भी चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जनसुनवाई और शिकायत निवारण व्यवस्था को प्राथमिकता पर लेकर कार्य किया जाए। साथ ही, सांसद से प्राप्त परिवादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी समय शहरी क्षेत्र में चलाए जाने वाले निराश्रित गोवंशों को आश्रय अभियान की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने रास्ता खोलने हेतु चलाए गए अभियान के तहत की गई प्रगति की रिपोर्ट कार्यालय भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आगामी तीन माह तक अधिकारियों की छुट्टी को निरस्त किया तथा आवश्यक कार्य होने पर जिला कलेक्टर की अनुमति के उपरांत मुख्यालय छोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने हीट वेव के संबंध में चिकित्सा, जलदाय विभाग एवं बिजली विभाग के सभी अधिकारियों को सभी आधारभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को हीट वेव के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने तथा अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर पीएचईडी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में जिले की पेयजल व्यवस्था की प्रभावी मोनेटरिंग एवं पेयजल सम्बन्धी शिकायतो के त्वरित निस्तारण हेतु जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) कार्यालय अधिक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थय अभियान्त्रिकी विभाग, वृत खैरथल में स्थापित किया गया है। जिसके दूरभाष नं. 01460-298735 है। आम नागरिक दूरभाष नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं तथा व्हाट्सएप नंबर 7374917525 पर भी लिखित शिकायत दर्ज करवा सकते हैं जिसका संबंधित अधिकारियों द्वारा निश्चित समय अवधि में समाधान किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 31 जुलाई तक सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, डिप्टी एसपी किशनगढ़ बास राजेंद्र सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के एलुमनाई डॉ एम एल जाट को डीजी बनने पर कुलपति डॉ बलराज सिंह ने दी बधाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के पूर्व छात्र डॉ एम एल जाट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने डॉ. एम एल जाट को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे राजस्थान प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, "मुझे पूर्ण विश्वास है कि डॉ. जाट के नेतृत्व में देश में कृषि अनुसंधान, नवाचार और विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।" कुलपति डॉ बलराज सिंह ने यह भी बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. एम. एल. जाट का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

कोटपूतली में मिड-डे मील का राशन चोरी, एक आरोपी गिरफ्तार, गेहूं बरामद

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) सरूंड थाना क्षेत्र में स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मोहनपुरा से मिड-डे मील का राशन चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से चोरी किया गया गेहूं भी बरामद कर लिया गया है। थाना प्रभारी बाबूलाल मीणा ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सुरेला ने 15 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 13 और 14 अप्रैल को स्कूल में अवकाश था। जब 15 अप्रैल को विद्यालय खुला तो पोषाहार कक्ष और अक्षय पेटिका के ताले टूटे पाए गए। जांच में सामने आया कि कुल 5 कट्टे गेहूं और 1 कट्टा चावल चोरी हो गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के क्षेत्रों से सुराग जुटाए। जांच के दौरान कांसली गांव निवासी रमाकांत उर्फ गोलू (20) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना कबूल किया। फिलहाल पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और गिरफ्तार युवक से अन्य घटनाओं के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 380 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जयपुर सिंधीकैंप बस स्टैंड पर लूट, धारदार हथियार दिखाकर युवक से छीना पर्स, दोनों आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) के सिंधीकैंप बस स्टैंड पर एक युवक से लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दो बदमाशों ने मिलकर युवक का पर्स लूट लिया, जिसमें करीब 2 हजार रुपए और जरूरी दस्तावेज रखे थे। खास बात यह रही कि लूट के दौरान एक बदमाश ने धारदार हथियार दिखाकर धमकी दी कि "साथी को छोड़ा नहीं तो काट डालूंगा।" डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि सिंधीकैंप थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में वासिफ (23) पुत्र आदिल निवासी आगरा और मुसरत अली (43) पुत्र मुसतर अली निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। दोनों स्टेशन रोड क्षेत्र में खानाबदोश रहकर चोरी और जेबतराशी की वारदातें करते थे। पीड़ित अरविंद कुमार सिंह ने 17 अप्रैल की रात करीब 9 बजे थाने में रिपोर्ट दी थी। उसने बताया कि वह प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर सीकर जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी उसकी जेब से पर्स निकालने की कोशिश हुई। अरविंद ने एक बदमाश को पकड़ लिया, लेकिन उसका साथी तुरंत धारदार हथियार लेकर धमकाने लगा और जबरदस्ती पर्स छीनकर दोनों फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें धर-दबोचा। मामले में लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया गया है और दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

जयपुर में विवाहिता ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, मरने से पहले भाई को किया भावुक कॉल, कहा- बचा लो, वरना ये मार डालेंगे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) के करधनी थाना क्षेत्र में 32 वर्षीय विवाहिता नीलम उर्फ रीना ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से ठीक पहले उसने अपने भाई को कॉल कर मदद की गुहार लगाई थी और बताया था कि उसका पति, सास और देवर मिलकर उसे प्रताड़ित कर रहे हैं और उसकी जान को खतरा है। करधनी थाना पुलिस के अनुसार, नीलम की शादी फरवरी 2017 में विक्रम सिंह से हुई थी, जो रावणगेट करधनी का निवासी है। नीलम मूल रूप से डीफेंस कॉलोनी, खोह नागोरियान की रहने वाली थी। 16 अप्रैल की दोपहर करीब 1.30 बजे परिजनों ने उसे कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतका के पिता कृष्णपाल सिंह ने करधनी थाने में मामला दर्ज कराते हुए ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि शादी के कुछ महीने बाद ही ससुराल पक्ष द्वारा नीलम को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। एक बार तो उसे ससुराल से वापस मायके भी लाना पड़ा था। हालांकि, बाद में ससुराल पक्ष ने गलती न दोहराने का वादा कर उसे दोबारा साथ ले गए। कुछ समय स्थिति सामान्य रही, लेकिन फिर से नीलम को टॉर्चर किया जाने लगा। घटनावाले दिन सुबह करीब 8 बजे नीलम ने अपने भाई अभिमन्यु को फोन कर बताया कि उसका पति, सास और देवर मिलकर उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और उसे बहुत तंग किया जा रहा है। उसने कहा, "भैया मुझे बचा लो, ये लोग मुझे मार देंगे।" लेकिन दोपहर को उसकी आत्महत्या की खबर आई। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर ससुरालवालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस साक्ष्यों को ध्यानपूर्वक खंगाल रही है।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम गजानंद (GAJANAND) से बदल कर गजानंद जिलोया (GAJANAND JILOYA) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नए नाम गजानंद जिलोया (GAJANAND JILOYA) के नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जावे।

गजानंद जिलोया पुत्र मुरारीलाल निवासी सुजानगढ़ (चूरू)

न्यूरो केयर हॉस्पिटल ने मनाई 12वीं सालगिरह, डॉक्टर एन.सी. पूनियां को दी शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। शनिवार को न्यूरो केयर हॉस्पिटल की 12वीं वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाई गई। वर्ष 2013 में डॉक्टर एन.सी. पूनियां द्वारा स्थापित इस अस्पताल ने आज प्रदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बना ली है। इस अवसर पर अस्पताल के समस्त स्टाफ ने एकजुट होकर केक काटा और डॉक्टर पूनियां को बधाइयाँ दीं। कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों के चेहरे पर गर्व और उत्साह साफ नजर आया। डॉक्टर एन.सी. पूनियां ने इस अवसर पर सभी सहयोगियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "हम आज जिस मुकाम पर हैं, वह केवल मेरी नहीं, बल्कि आप सभी की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण का फल है। हमारा उद्देश्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि मरीज को उम्मीद और भरोसा देना भी है।" उन्होंने यह भी घोषणा की कि सभी स्टाफ सदस्यों को उनकी निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में चांदी का सिक्का भेंट किया गया है। यह कदम सभी कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा और सम्मान का प्रतीक बना। कार्यक्रम में उपस्थित नरेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि न्यूरो केयर हॉस्पिटल की आईसीयू यूनिट राजस्थान की सबसे आधुनिक और सुसज्जित इकाइयों में से एक है। उन्होंने कहा कि यहां न्यूरोलॉजी से संबंधित हर प्रकार की बीमारी का अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है, जिससे प्रदेश के अनेक जिलों से मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं। जयपुर टाइम्स के संपादक रामेश्वर लाल जाट ने डॉक्टर पूनियां की मेहनत और सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा, "डॉक्टर साहब की कार्यशैली और सेवा भावना से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। चिकित्सा के साथ-साथ वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं, जो वास्तव में सराहनीय है।" न्यूरो केयर हॉस्पिटल की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यह अस्पताल न्यूरो-सर्जरी, स्ट्रोक मैनेजमेंट, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी की बीमारियाँ, माइग्रेन, मिर्गी एवं पार्किंसन जैसी बीमारियों के इलाज में अग्रणी है। यहाँ पर चौबीसों घंटे अनुभवी डॉक्टर, प्रशिक्षित स्टाफ, आधुनिक मशीनें और इमरजेंसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मरीजों को कम समय में बेहतर इलाज और मानसिक संबल देना ही अस्पताल की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस अवसर पर डॉक्टर एन.सी. पूनियां के साथ उनके पुत्र डॉ. देव पूनिया,धर्मपत्नि बबिता पूनियां,अन्जू चौधरी,डॉ.राकेश, सहित समस्त स्टाफगण उपस्थित रहे। सभी ने डॉक्टर पूनियां को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं और अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। न्यूरो केयर हॉस्पिटल की यह 12 वर्षों की यात्रा समाज सेवा, उत्कृष्ट चिकित्सा और मानवता के मूल्यों की सशक्त मिसाल बन चुकी है।

केन्द्रिय मंत्री मेघवाल से मिले विधायक शेखावत

कोटपूतली में जिला एवं सत्र न्यायालय (डीजे कोर्ट) खोलने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

कोटपूतली व बहरोड़ के बीच वर्चस्व की लड़ाई बन चुकी है डीजे कोर्ट की मांग

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) नवगठित जिला कोटपूतली-बहरोड़ के मुख्यालय कोटपूतली में जिला एवं सत्र न्यायालय (डीजे कोर्ट) खोले जाने को लेकर निकटवर्ती बानसूर क्षेत्र के विधायक देवीसिंह शेखावत द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। उल्लेखनीय है कि डीजे कोर्ट की मांग को लेकर कोटपूतली व बहरोड़ के अभिभाषक संघ में संघर्ष जारी है। विगत दिनों दोनों ही जगहों पर इस मांग को लेकर कार्य बहिष्कार, पेन डाउन हड़ताल व लगभग दो माह तक धरना प्रदर्शन एवं क्रमिक अनशन आदि किये जा चुके है। कोटपूतली में जारी हड़ताल को जिले के 3 विधायकों क्रमश हंसराज पटेल, देवीसिंह शेखावत व कुलदीप धनकड़ द्वारा खत्म करवाया गया तो बहरोड़ में वकीलों की हड़ताल स्थानीय विधायक जसवंत सिंह यादव व केन्द्रिय मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा खत्म करवाई गई। कोटपूतली में डीजे कोर्ट की मांग को लेकर जिला अभिभाषक संघ, कोटपूतली के बैनर तले बानसूर, विराटनगर, पावटा, नारायणपुर के अभिभाषक संघ लामबंद है। वहीं दुसरी बहरोड़ एवं नीमराणा के अधिवक्ता भी इसको लेकर एकजुट है। इस मांग को लेकर बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत द्वारा विगत दिनों विधानसभा में आवाज उठाई गई थी। वहीं इसी क्रम में विधायक शेखावत ने दिल्ली पहुँचकर केन्द्रिय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने मेघवाल को ज्ञापन सौंपकर कोटपूतली में डीजे कोर्ट एवं नारायणपुर उपखण्ड में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट खोले जाने की मांग की। विधायक शेखावत के ज्ञापन पर केन्द्रिय मंत्री मेघवाल ने सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि डीजे कोर्ट को लेकर निरन्तर राजनीति गहराती जा रही है। इस मांग को लेकर कोटपूतली के पक्ष में क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल समेत बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत व विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ लामबंद है तो बहरोड़ में डीजे कोर्ट खोले जाने की मांग को लेकर बहरोड़ विधायक जसवंत सिंह यादव के प्रयासों को अलवर सांसद व केन्द्रिय मंत्री भूपेन्द्र यादव का सहयोग मिल रहा है। कुछ ही दिनों में डीजे कोर्ट सहित सीजेएम कोर्ट खोले जाने हेतु सभी 8 नवगठित जिलों में प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इसके साथ ही राज्य सरकार की बजट घोषणा अनुरूप मिनी सचिवालय का निर्माण कहां होगा। इसका फैसला भी किया जायेगा। विगत दिनों कोटपूतली के दौरे पर आये मुख्य सचिव सुधांशु पंत के समक्ष भी जिला प्रशासन द्वारा डीजे कोर्ट की मांग को लेकर कोटपूतली व बहरोड़ के बीच चल रहे गतिरोध के बिंदु को रखा गया था। अब इसको लेकर राजस्थान हाईकोर्ट व राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी को अन्तिम निर्णय लेना है। फिलहाल डीजे कोर्ट व मिनी सचिवालय सभी नवगठित जिलों में कहां बनेगा, इसकी बजट घोषणा तो हो चुकी है लेकिन राज्य सरकार द्वारा कमेटी का गठन अभी प्रक्रियाधीन है, जो महज कुछ ही दिनों में होने वाला है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कोटपूतली-बहरोड़ के जिला बनने पर अस्थाई तौर पर सभी जिला स्तरीय कार्यालय कोटपूतली में खोले जाने पर सहमति बनी थी। वहीं राजस्थान हाईकोर्ट ने भी कोटपूतली में ही डीजे कोर्ट खोलने की अनुशंषा राज्य सरकार को विगत 20 अक्टुबर 2023 को भेजी थी।

सिरोंज पावर हाउस पर लगेगा अतिरिक्त ट्रांसफार्मर, दर्जनों गांवों को बिजली कटौती से मिलेगी राहत

जयपुर टाइम्स

किशनगढ़/अराई(निसं.) केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी की अनुशंसा पर सिरोंज पावर हाउस पर एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्वीकृत किया गया है। इस कदम से आसपास के दर्जनों गांवों को बिजली कटौती की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। हाल ही में किशनगढ़ स्थित आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान सिरोंज और आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष बिजली की बार-बार हो रही कटौती का मुद्दा उठाया था। उन्होंने बताया कि सिरोंज पावर हाउस पर वर्तमान में 3.15 एमवीए क्षमता का एक ही ट्रांसफार्मर कार्यरत है, जो बढ़ते लोड को संभालने में सक्षम नहीं है। इससे बार-बार विद्युत आपूर्ति बाधित होती है और भोगादित, भामोलाव, डांग, गैहलपुर, मोतीपुरा, बिंजरवाड़ा, गागुन्दा, गोली, मालाखेड़ा, नोनंदपुरा, शंकरपुरा और पचिपला जैसे गांवों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने तुरंत विद्युत विभाग को अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाए जाने की अनुशंसा भेजी थी। मंत्री की तत्परता और प्रभावी अनुशंसा पर संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग ने सिरोंज पावर हाउस पर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंत्री चौधरी ने बताया कि इस निर्णय से सिरोंज क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी और गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे न केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों के कार्यों में भी गति आएगी। ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री के त्वरित प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

एसएमएस अस्पताल में निर्माणाधीन इमरजेंसी बिल्डिंग को लेकर विवाद

बेसमेंट की जगह डाली जा रही मिट्टी, विभागाध्यक्ष ने जताई आपत्ति

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) के सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन इमरजेंसी बिल्डिंग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। प्रस्तावित दो मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट क्षेत्र में मिट्टी भरने का काम शुरू होने पर इमरजेंसी डिपार्टमेंट के इंचार्ज डॉ. बी.पी. मीणा ने निर्माण कार्य रुकवा दिया और कॉलेज प्रिंसिपल को पत्र लिखकर बेसमेंट बनाए जाने का सुझाव दिया। जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी विस्तार के लिए करीब 7 हजार वर्गफीट क्षेत्र में दो मंजिला नई इमारत बनाई जा रही है, जिसे आरएसआरडीसी एजेंसी द्वारा तैयार किया जा रहा है। डिजाइन के मुताबिक, नई बिल्डिंग का ग्राउंड फ्लोर सड़क से 6 फीट ऊंचा बनाया जाना है ताकि वर्तमान इमरजेंसी भवन से सीधा जोड़ा जा सके। इसके लिए निर्माण स्थल पर पहले सड़क स्तर से 8-10 फीट गहरी खुदाई की गई और 3 फीट मोटी भरत (कंक्रीट प्लेटफार्म) डाली गई। इस पर पिल्लर खड़े कर दिए गए हैं। अब ठेकेदार इस गहरी खुदाई वाले क्षेत्र को मिट्टी से भरने का काम कर रहा है, जिससे पूरा बेसमेंट क्षेत्र समाप्त हो जाएगा। डॉ. मीणा का कहना है कि यदि इस 9 फीट गहरी जगह को मिट्टी से भरने की बजाय बेसमेंट के रूप में विकसित कर लिया जाए, तो इसका उपयोग ऑफिस, पार्किंग या अन्य कार्यों के लिए किया जा सकता है। जबकि वर्तमान में निर्माता एजेंसी बिना विचार किए इस जगह को भरने में लगी है। उन्होंने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए प्रिंसिपल को पत्र भेजा है और निर्माण में बदलाव की मांग की है। डॉ. मीणा का तर्क है कि जब अस्पताल प्रशासन एक-एक फीट जगह के लिए मशक्कत कर रहा है और मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बना रहा है, तो पहले से तैयार बेसमेंट जैसे कीमती स्पेस को यूं ही नष्ट करना व्यावसायिक दृष्टिकोण से अनुचित है। अस्पताल में पहले ही बढ़ती मरीजों की संख्या को देखते हुए कई पुरानी इमारतों को हटाकर मल्टीस्टोरी टावर और कार्डियक सेंटर जैसे प्रोजेक्ट्स विकसित किए जा रहे हैं। ऐसे में यह निर्माण विवाद भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर डाल सकता है।

मादक तस्करी मामले के चार आरोपियों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा

जयपुर टाइम्स

कुचामन(निसं.)। कुचामन जिले में करीब 14 साल पुराने मादक पदार्थ तस्करी के बहुचर्चित मामले में आखिरकार इंसाफ की घड़ी आ ही गई। अपर सेशन न्यायाधीश कुचामन सिटी ने सुंदरलाल खारोल ने शनिवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को 20 साल के कठोर कारावास और 2 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में दो साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। कुचामन में अपर लोक अभियोजक मनीष शर्मा ने बताया कि यह मामला 9 जनवरी 2011 का है, जब कुचामन सिटी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक बिना नंबर की गाड़ी में कुछ लोग अवैध रूप से गांजा लेकर जा रहे हैं और भागने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बाईपास पर एक गाड़ी को रोका, जिसमें चालक सहित कुल चार व्यक्ति सवार थे। गाड़ी की तलाशी लेने पर पीछे की सीट से तीन बैग मिले, जिनमें कुल 50.50 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों में प्रहलाद पुत्र गुलाराम माली (निवासी इटावा भोपजी, सामोद), बलराज पुत्र सीताराम मीणा (निवासी उदयपुरिया, सामोद), छोटन सिंह पुत्र सरदार बुलंद सिंह पंजाबी (निवासी कोलकाता) और गोपाल चंद पुत्र हरदेवराम यादव (निवासी गोविंदगढ़, जिला जयपुर) शामिल थे, जिनको न्यायाधीश सुंदर लाल खारोल ने मुकदमा दर्ज होने के 14 साल बाद आए फैसले में 20 साल कैद की सजा सुनाई है। चारों अभियुक्तों के पास न तो गांजा रखने का लाइसेंस था और न ही कोई वैध परमिट।

समर्पण संस्था द्वारा "शैक्षिक चैरिटी " पर व्याख्यान व बैठक आयोजित

सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है शैक्षिक चैरिटी - डॉ. ओम प्रकाश बैरवा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। "शैक्षिक चैरिटी सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है । जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद से ही उच्च शिक्षा का प्रतिशत बढ़ सकता है ।उच्च शिक्षा को एडवांस व गुणवत्तापूर्ण बनाने के सार्थक प्रयासों की जरूरत है ।" उक्त विचार समर्पण संस्था की ओर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में शैक्षिक चैरिटी पर आयोजित व्याख्यान व बैठक में मुख्य अतिथि कॉलेज शिक्षा आयुक्त आईएएस डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने व्यक्त किये । इस अवसर पर मुख्य वक्ता आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने पीपीटी प्रजन्टेशन द्वारा "शैक्षिक चैरिटी समाज व राष्ट्र के विकास का आधार " विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा कि " शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का सर्वोत्तम उपहार है । जब हम किसी बच्चे को पढ़ने का अवसर देते हैं, तो हम उसे केवल अक्षरों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उसे गरीबी, अज्ञानता और असमानता से बाहर निकालने का रास्ता दिखाते हैं।" उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को रोशन करती है । सभी को शिक्षा देना सत्ता, शासन व समाज की ज़िम्मेदारी है ।किसी व्यक्ति की शिक्षा के लिए किया दान सर्वश्रेष्ठ है । शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का प्रकाश है, जो अंधेरे को मिटाकर हर जीवन को रोशन कर सकता है। यह समाज व विश्व कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।शिक्षा दान से बढ़कर कोई दान नहीं है। अन्न, वस्त्र, औषधि, धन,भोजन आदि के दान एक न एक दिन खत्म हो जाते है। लेकिन शिक्षा का दान कभी खत्म नहीं होता है वह आजीवन साथ रहता है । " डॉ. माल्या ने समर्पण संस्था द्वारा निर्धन विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए किये जा रहे नवाचार "एज्यूकेशनल एम्बेसेडर" अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संस्था द्वारा आर्थिक सम्पन्न व्यक्ति जो पे बैक टू सोसायटी की भावना रखते हैं। उन्हें एक निर्धन विद्यार्थी की शिक्षा की जिम्मेदारी देकर एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर/ एज्युकेशनल एम्बेसेडर/ एज्युकेशनल एसोशिएट नियुक्त किये जा रहे है। शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए 25 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किये गये है । इसके साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया भी नियमित चल रही है । इस अवसर गीतकार श्री रमेश कुमार जी ने शिक्षा पर एक गीत प्रस्तुत किया । विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य मनीष विजयवर्गीय, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार बैरवा, रावत एज्युकेशनल ग्रूप के निदेशक श्री नरेन्द्र सिंह रावत ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईआरएस श्री एम. सी. वर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सबको मिलकर काम करने की जरूरत है ।

अवसाद की कड़ियां और शिक्षा

शिक्षा यदि जिंदगी की तालीम दे पाती तो संभव है कोई इस तरह अपनी जिंदगी से मायूस होकर उम्मीद की डोर नहीं छोड़ सकता। वास्तव में वर्तमान शिक्षा कुछ दक्षताएं ही पैदा कर पाती है जिनकी बदौलत व्यक्ति अपनी रोजी-रोटी कमा पाता है। समकालीन तनाव व एकाकीपन तथा आम जिंदगी के दबाव को कैसे सहा और समायोजन स्थापित की जाए इसकी समझ शिक्षा नहीं दे पाती। हम पर बाजार और प्रतियोगिताएं सवार हैं जो तय करती हैं कि हमारी जिंदगी की प्राथमिकताएं क्या होंगी। हमारे जीवन में आनंद किस प्रकार के होंगे। बाजार और वैश्विक प्रतियोगिताओं के दबाव ने हमारे जीवन के लक्ष्य भी नए तय किए हैं। इन लक्ष्यों का पीछा करने में तनाव व एकाकीपन स्वाभाविक है। आज शिक्षा में संवेदनाओं और भावनाओं का कोई स्थान नहीं है। बाजार शिक्षा के मापदंड तय कर रहा है। बाजार तय कर रहा है कि आज शिक्षा किस दिशा में और किस तरह की दी जानी चाहिए। बाजार बता रहा है कि हमारी प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए, हमें कैसा जीवन जीना चाहिए।

अवसाद, उदासी, अकेलापन, चिंता, निराशा आदि जिस नाम से भी इस अवस्था को पुकारें, पर यह मानसिक स्थिति बहुत तेजी से युवाओं और प्रौढ़ों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। वैश्विक स्तर पर नजर दौड़ाएं तो स्थिति और भी भयावह दिखाई देती है। हाल ही में गुरुग्राम स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत महिला कर्मी का कूद कर जान दे देना अवसाद की मनोदशा की महज एक तस्वीर भर नहीं है। इससे पहले भी अवसाद की चपेट में आकर कई व्यक्तियों ने जिंदगी की डोर बीच में ही छोड़ दी। मनोविज्ञान की भाषा में इसे अवसाद कहें या फिर आमजन की भाषा में अकेलेपन व उदासी का सबब, मगर सघन स्तर पर निराशा व घोर उदासी जान ले लेती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है यह हम बचपन से पढ़ते और रटते बड़े हुए हैं। फिर क्या वजह है कि बड़े होने के बाद व्यक्ति इतना एकांगी, अकेला हो जाता और उदासी में डूब जाता है कि उससे समाज-परिवार दूर चले जाते हैं और वह बाकी लोगों से काफी दूर। यह सवाल एक नागर समाज के सामने बड़ी चिंता के तौर पर उभरा है। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2017 को अवसाद से मुक्ति के तौर पर सात अप्रैल को घोषित किया है। वैश्विक स्तर पर करोड़ों की संख्या में युवा व प्रौढ़ स्त्री-पुरुष अवसाद की चपेट में हैं। इन्हें अपनी भावनाओं, संवेदनाओं को प्रकट करने का मौका नहीं मिलता। इस तरह के लोग भीड़ में होते हुए भी निपट अकेला महसूस करते हैं। घर-परिवार में होकर भी खुद को उदास और निराश पाते हैं। शिक्षा इस तरह के लोगों को कितनी मदद कर सकती है इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

शिक्षा यदि जिंदगी की तालीम दे पाती तो संभव है कोई इस तरह अपनी जिंदगी से मायूस होकर उम्मीद की डोर नहीं छोड़ सकता। वास्तव में वर्तमान शिक्षा कुछ दक्षताएं ही पैदा कर पाती है जिनकी बदौलत व्यक्ति अपनी रोजी-रोटी कमा पाता है। समकालीन तनाव व एकाकीपन तथा आम जिंदगी के दबाव को कैसे सहा और समायोजन स्थापित की जाए इसकी समझ शिक्षा नहीं दे पाती। हम पर बाजार और प्रतियोगिताएं सवार हैं जो तय करती हैं कि हमारी जिंदगी की प्राथमिकताएं क्या होंगी। हमारे जीवन में आनंद किस प्रकार के होंगे। बाजार और वैश्विक प्रतियोगिताओं के दबाव ने हमारे जीवन के लक्ष्य भी नए तय किए हैं। इन लक्ष्यों का पीछा करने में तनाव व एकाकीपन स्वाभाविक है। आज शिक्षा में संवेदनाओं और भावनाओं का कोई स्थान नहीं है। बाजार शिक्षा के मापदंड तय कर रहा है। बाजार तय कर रहा है कि आज शिक्षा किस दिशा में और किस तरह की दी जानी चाहिए। बाजार बता रहा है कि हमारी प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए, हमें कैसा जीवन जीना चाहिए।

शिक्षा का मकसद बच्चे के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना रहा है। इस विकास में तकनीकी कौशल के अलावा संवेदना, सहभागिता आदि भी शामिल हैं। शिक्षा और हमारी जिंदगी से जो चीज तेजी से गायब हो रही हैं वे हैं संवेदना और सहभागिता। हम जिस कदर असहिष्णु हुए हैं, जिस तरह साझा संस्कृति से दूर हुए हैं यह बहुत साफ तौर पर देखा और महसूस किया जा सकता है। हमें नागर समाज के जीवन में गहरे पैठ चुके अवसादऔर एकाकीपन के समाधान के लिए गंभीरता से विमर्श करना होगा। महानगरों में तो एकाकीपन के मायने समझ आते हैं, क्योंकि व्यक्ति की जिंदगी की शुरुआत सुबह दफ्तर जाने और शाम दफ्तर से लौटने में ही खत्म हो जाती है। इतना समय और इतनी ऊर्जा भी नहीं बची रहती कि अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों से घुलें-मिलें। यह स्थिति प्रकारांतर से हमें अकेलेपन की ओर धकेलती है। हम अपने खालीपन को बाजारी सामानों तथा खोखली हंसी से भरने की कोशिश करते हैं।

मानवीय संवेदनाएं जिस शिद्दत से हमें आनंद और अपनेपन के अहसास से भर देती हैं वह सोशल मीडिया पर उपलब्ध लाइक्स और कमेंट्स से कहीं ज्यादा प्रभावी और लाभकारी होता है। पर अफसोसनाक हकीकत यही है कि हमने अपनी निजता और संवेदनाओं को बाजार के हवाले कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2017 को अवसाद व उदासी से निजात का वर्ष घोषित किया है। आज की तारीख में किसी व्यक्ति व समाज को सबसे ज्यादा जिस चीज की आवश्यकता है वह है सुख-शांति और अपनों का साथ। बड़ी साफगोई से बाजार इन्हीं चीजों में सेंध लगाता है बल्कि लगा चुका है।

बच्चों की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला व्यक्ति कोई हो सकता है तो वह शिक्षक है। यदि वह जीवन और समाज के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण पैदा कर सके तो इससे अच्छी बात और क्या होगी! पर यहां एक दिक्कत यह है कि कई बार शिक्षक अपने पूर्वाग्रहों से बाहर नहीं आ पाता और वही दृष्टिकोण प्रकारांतर से बच्चों में अनजाने ही संक्रमित हो जाते हैं। जब स्वयं शिक्षक विभिन्न प्रकार के तनावों व आकांक्षाओं की गिरफ्त में होगा, तो क्या हम उम्मीद कर सकते हैं वह कक्षा में प्रोफेशनल की तरह अपना बरताव बरकरार रख पाएगा? हमें शिक्षकों की पेशेवर और निजी जिंदगी में शामिल संघर्षों व तनावों के प्रबंधन और निराकरण पर ध्यान देना होगा। यदि कोई शिक्षक अपने तनावों व क्रोध पर नियंत्रण नहीं कर पा रहा है तभी वह कक्षा में आवेश में आता है। यदि हम शिक्षकों के मनोजगत और बच्चों की मनःस्थिति के बीच सामंजस्य स्थापित करने में मदद कर सकेंतो काफी हद तक उदासी, तनाव व दुश्चिंता को खत्म किया जा सकता है। हमें बच्चों को अपनी भावनाओं, मनोजगत और वर्तमान की चुनौतियों के बीच समायोजन तथा संतुलन कैसे स्थापित किया जाए यह सिखाना होगा ताकि भावी जीवन में आने वाली चुनौतियों का वे सामना कर सकें।

दुर्खिम अपनी किताब 'आत्महत्या' में लिखते हैं कि जब व्यक्ति बाहरी दुनिया से कट जाता है तब वह एकाकी होने लगता है। यथार्थ से कटते जाने की वजह से व्यक्ति जिंदगी से दूर चला जाता है। जब परिवेशगत दबाव प्रभावी हो जाते हैं तब व्यक्ति के अंदर की संघर्ष करने की क्षमता खत्म जाती है। हताश व्यक्ति अंतिम विकल्प के तौर पर आत्महत्या को चुनता है। हमें इस मनोदशा से अपनी और भावी पीढ़ी को बचाना है तो जीवन की विविधता और व्यापक छटाओं से उसका परिचय कराना होगा। हमें उनके परिवेश को सृजनात्मक और कलात्मक बनाने में मदद करनी होगी। बाजार निर्मित सामानों तथा वास्तविक प्रसन्नता में चुनाव करने की समझ पैदा करनी होगी। अवसाद को एकांत में दूर नहीं किया जा सकता बल्कि उसके लिए हमें समाज में वापस आना होता है। गौरतलब है कि जब अवसाद एक सीमा को लांघ जाता है तब वह मनोचिकित्सीय परामर्श और उपचार की मांग करता है।

सम्पादकीय

35 दवाओं पर फिर लगी पाबंदी, आम लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जरूरी फैसला

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस 'फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन' यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं। दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा? सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है? जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है?

बेरोजगारों पर बोझ

क्या केंद्र और प्रदेश की सरकारें बेरोजगारों को मुफ्त में नौकरी के आवेदन भरने का प्रावधान नहीं कर सकतीं? गरीब बेरोजगार युवा नौकरी के लिए भारी शुल्क कैसे भरते हैं, यह वही जानते हैं। सरकार रिक्तियां निकाल कर बेरोजगारों को रोजगार देने की कोशिश करती है या फिर अपने खजाने की भरपाई करने की कोशिश करती है? कोई निजी कंपनी जब नौकरी के लिए आवेदन मांगती है तो शायद वह भी परीक्षा शुल्क नहीं लेती होगी। इसी तरह क्या सरकार अपने खर्चे पर नौकरियों के लिए बेरोजगारों की भर्ती नहीं कर सकती? जो खर्चा परीक्षा कराने पर होता है, उसका भार सरकार को बेरोजगार लोगों के कंधे पर डालने पर जरा भी संकोच नहीं होता। सरकारी विभागों में जब कोई नौकरी का विज्ञापन निकलता है, तो कुछ बेरोजगार नौजवान उसके लिए इस करके आवेदन नहीं करते, क्योंकि उसकी फीस बहुत ज्यादा होती है। यह एक ऐसा पहलू है, जिसके बारे में सरकारों को सोचना जरूरी नहीं लगता, जबकि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित व्यवस्था में बेरोजगार युवाओं के हित में नियम बनाना सरकार जिम्मेदारी होती है। सरकारें बेरोजगारों पर परीक्षा फीस के बोझ कम करने का प्रयास करें और भविष्य में किसी भी प्रवेश परीक्षा के लिए ज्यादा फीस न रखी जाए। बल्कि इतनी ही रखी जाए जिससे हर जाति-वर्ग का गरीब से गरीब बेरोजगार भी नौकरी के लिए बिना दिक्कत के आवेदन कर सके। अगर सरकारें गरीबों को मुफ्त का अन्न और धन बांट सकती हैं तो बेरोजगारों को नौकरी के लिए परीक्षा निशुल्क क्यों नहीं उपलब्ध करवा सकती? भारत दुनिया का सबसे विशाल लोकतंत्र है। इसके पंजीकृत मतदाताओं की संख्या दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से कहीं अधिक है। उपनिवेशीकरण के दौर में भारत के साथ कई राष्ट्र स्वतंत्रता के क्षितिज पर उदित हुए। उन्होंने भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, पर सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया जितनी शांतिपूर्ण ढंग से भारत में संपन्न हुई, ऐसा शायद ही कहीं देखने को मिला। आजादी के तुरंत बाद से ही सार्वजनिक वयस्क मताधिकार को अपनाया गया। वह भी तब, जब आधी से अधिक आबादी निरक्षर थी और लोकतंत्र के मायने भी नहीं समझती थी। यह साहसिकता से भरा कदम था। इतना ही नहीं, समय की मांग के अनुरूप कई कड़े निर्णय भी लिए गए जो भारतीय जनतंत्र को परिपक्व बनाते हैं। संविधान संशोधन के माध्यम से मताधिकार की न्यूनतम आयु इक्कीस वर्ष से घटाकर अठारह वर्ष किया गया और मतदान व मतगणना के दौरान होने वाली अनियमितता और धांधली को रोकने के लिए ईवीएम का प्रयोग शुरू हुआ। साथ ही चुनाव सुधार के दिशा में कई कदम उठाए गए। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए हाल ही में चुनाव आयोग ने प्रवासी भारतीय मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए दूरस्थ वोटिंग मशीन (आरवीएम) के प्रयोग को लेकर सभी दलों की बैठक बुलाई।

ऐसा तो नहीं होगा गांधी का राम राज्य!

1948 में महात्मा गांधी की मृत्यु के बाद उनके अनुयायी होने का दावा करने वाले और उनके नाम से जुड़कर राजनीति करने वाले लोग बार-बार सत्ता में आते रहे। यही नहीं, जिन पर गांधी से वैचारिक रूप से दूर होने के आरोप लगे, वे भी सत्ता में आए तो गांधी के सपनों से जुड़ने की बातें करते रहे। गांधी के ग्राम स्वराज की बातें तो खूब हुईं किन्तु उनके सपनों को पूरा करने के सार्थक प्रयास नहीं हुए। देखा जाए तो बीते 72 वर्षों में कदम-कदम पर बापू से छल हुआ है, उनके सपनों की हत्या हुई है।

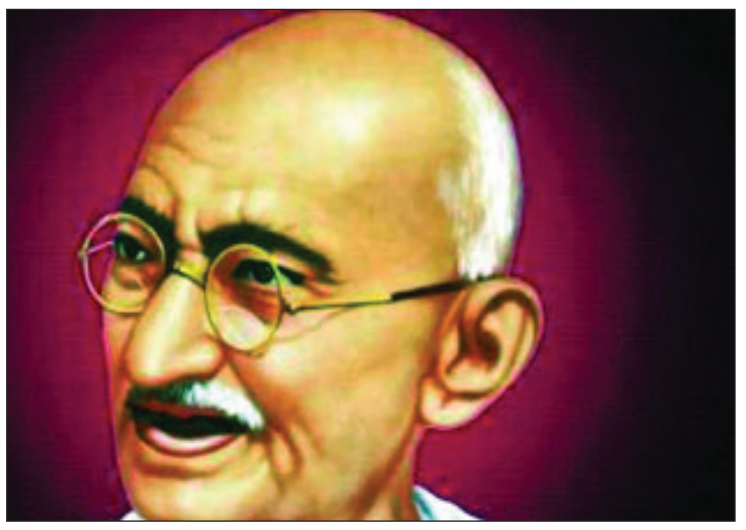

2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती। बड़ी-बड़ी गोष्ठियों और संकल्पों का दिन। इस बार 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की 151वीं जयंती है। देश जिन स्थितियों से जूझ रहा है, उनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से भटकाव साफ दिख रहा है। नशे में डूबती युवा पीढ़ी हो या असुरक्षित बेटियां हों, ऐसे भारत का स्वप्न तो गांधी ने कतई नहीं देखा था। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि देश की हर राजनीतिक विचारधारा गांधी को अंगीकार तो करना चाहती है किन्तु उनके बताए रास्ते से दूर ही नजर आती है। यह सर्वाधिक उपयुक्त समय है, जब हमें गांधी को नोट से ऊपर उठाकर दिलों तक पहुंचाना होगा। गांधी के राम राज्य का सामंजस्य राम राज्य की घोषणाओं के साथ बिठाना होगा। आज की स्थितियों से तो स्पष्ट है कि गांधी ने ऐसे राम राज्य की परिकल्पना तो नहीं ही की होगी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के साथ ही उनके वैचारिक अधिष्ठान के साथ जुड़े लोगों तक भी निश्चित रूप से चर्चाएं होंगी। गांधी महज राजनीति के शलाका पुरुष नहीं थे, वे अध्यात्म के चितेरे भी थे, जहां से सत्याग्रह का पथ प्रशस्त हुआ था। गांधी रामराज्य का स्वप्न देखते थे और ग्राम स्वराज की परिकल्पना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ रहे थ महात्मा गांधी की हत्या के बाद उनकी राजनीतिक विरासत पर तो काम शुरू हो गया था, किन्तु उनके सपनों के भारत पर काम करने वाले अनुयायी एक तरह से दिशाहीन से हो गये। इस समय इस समय देश के सामने गांधी के मूल्यों की स्वीकार्यता की चुनौती भी है। 1948 में महात्मा गांधी की मृत्यु के बाद उनके अनुयायी होने का दावा करने वाले और उनके नाम से जुड़कर राजनीति करने वाले लोग बार-बार सत्ता में आते रहे। यही नहीं, जिन पर गांधी से वैचारिक रूप से दूर होने के आरोप लगे, वे भी सत्ता में आए तो गांधी के सपनों से जुड़ने की बातें करते रहे। गांधी के ग्राम स्वराज की बातें तो खूब हुईं किन्तु उनके सपनों को पूरा करने के सार्थक प्रयास नहीं हुए। देखा जाए तो बीते 72 वर्षों में कदम-कदम पर बापू से छल हुआ है, उनके सपनों की हत्या हुई है। उनकी परिकल्पनाओं को पलीता लगाया गया और उनकी अवधारणाओं के साथ मजाक हुआ। बापू की मौत के बाद देश की तीन पीढ़ियां युवा हो चुकी हैं। उन्हें बार-बार बापू के सपने याद दिलाए गए किन्तु इसी दौरान लगातार उनके सपने रौंदे जाते रहे। बापू के सपने याद दिलाने वालों ने उनके सपनों की हत्या रोकने के कोई कारगर प्रयास नहीं किये। आज भी यह सवाल मुंह बाए खड़ा है कि सरकारें तो आती-जाती रहेंगी, किन्तु बापू कब तक छले जाते रहेंगे? महात्मा गांधी चाहते थे कि देश में सबका दर्जा समान हो। 10 नवंबर 1946 को 'हरिजन सेवक' में उन्होंने लिखा, 'हर व्यक्ति को अपने विकास और अपने जीवन को सफल बनाने के समान अवसर मिलने चाहिए। यदि अवसर दिये जाएं तो हर आदमी समान रूप से अपना विकास कर सकता है'। दुर्भाग्य से आजादी के सात दशक से अधिक बीत जाने के बाद भी समान अवसरों वाली बात बेमानी ही लगती है। देश खांचों में विभाजित सा कर दिया गया है। हम लड़ रहे हैं और लड़ाए जा रहे हैं। कोई जाति, तो कोई धर्म के नाम पर बांट रहा है तो कोई इन दोनों से ही डरा रहा है। गांधी नारी सशक्तीकरण के शीर्ष पैरोकार थे। 15 सितंबर 1921 को को यंग इंडिया में उन्होंने लिखा, आदमी जितनी बुराइयों के लिए जिम्मेदार है, उनमें सबसे घटिया नारी जाति का दुरुपयोग है। वह अबला नहीं है। गांधी की इस सोच के विपरीत देश में महिलाओं को आज भी सताया जा रहा है। हाल ही में जिस तरह हाथरस में एक युवती के साथ सामूहिक बलात्कार व हत्या जैसी वीभत्स घटना हुई और उसके बाद प्रशासन का जो रवैया सामने आया, उससे स्पष्ट है कि महिलाओं के प्रति गांधी के नजरिये को कोई अंगीकार नहीं करना चाहता। महात्मा गांधी महिलाओं को हर स्तर पर समान अधिकार के पैरोकार थे। 25 जनवरी 1936 को 'हरिजन सेवक' में उन्होंने लिखा कि पुरुष ने स्त्री को अपनी कठपुतली समझ लिया है, यह स्थिति ठीक नहीं है। आज भी स्थितियां नहीं बदली हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा अपनी पत्नी की पिटाई का वीडियो इसका प्रमाण है। महात्मा गांधी हिन्दुओं व मुसलमानों के बीच विचारों के समन्वय के पक्षधर थे।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे
पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

रम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम है, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब रम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और रम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिल खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में रम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट रम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा रम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि रम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील
हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गई सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साईं पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

ये तेरा मेरा रिश्ता

भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें वर्कलोड की अधिकता रिश्तों में मीलों की दूरियां बढ़ा रहा है। बढ़ती महंगाई और आपके भौतिकवादी विचार ने आज रिश्तों के बीच दूरियां कायम कर दिया है।

आज जीवन पद्धति ने इंसान को व्यस्त कर दिया है, जिससे वो अपने किसी रिश्ते को सही से समय नहीं दे पा रहा है। आज के वैवाहिक जीवन में कपल्स शौक, जरूरत और उन्नति के लिए जॉब को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में उनको एक दूसरे के साथ रहने के लिए बहुत ही कम समय निकल पाता है। इतने कम समय में वे अपने घरेलू कामों में ही लगे रहते हैं और एक-दूसरे के लिए बहुत ही कम समय दे पाते है, कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऑफिस का वर्कलोड ये अपने घर तक ले आते हैं। ये काम ऑफिस में तो इनके प्रतिद्वंदी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिला देता है, लेकिन अपने साथी से दूरियां बढ़ा देता है। ऐसी दशा में रिश्तों की शुरुआत में ही दूरियां आने लगती हैं और बहुत ही थोड़े समय में टेंशन उनके बीच आ जाती है। आजकल कपल्स मैरिड लाइफ को ज्यादा महत्व नहीं देते। ये अपने साथी को थोड़ा बहुत समय देते हैं, तो मात्र शारिरिक सुख के लिए, लेकिन ये उनका स्वार्थ होता है, प्यार नहीं।

आपका साथ है उसका विश्वास

आपका साथी हमेशा आपका साथ मांगता है, क्योंकि आपका साथ ही उसमें आत्म विश्वास भरता है, और ये आत्म विश्वास जहां रिश्तों में सम्मान लाता है, वहीं हर कदम पर आपके साथ भी रहता है। रिश्तों को जुड़े चाहे कितना भी समय हो चुका हो, उनमें रोमांस हमेशा बने रहना चाहिए। यदि आपको लग रहा कि कुछ बदलाव आ रहा है और स्थितियां पहले कि तरह नहीं है, तो आपको इस तुरंत सोचने की जरूरत है। रिश्तों को बनाने में सालों लगते है और टूटने में एक पल भी नहीं लगता। कई बार हम अपनी दिनचर्या में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने आस-पास हो रहे परिवर्तनों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। रिश्ते में कड़वाहट आ जाए या दूरियों के बाढ़ में ये तलाक या दो बेडरूम तक पहुंच जाए, इसके पहले ही हमें कुछ संकेत मिलने लगते हैं। यह अलग बात है कि हम लापरवाही के चलते इन पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि आप अपने रिश्तों को टूटने से बचाना चाहते हैं तो उन संकेतों को समझने की कोशिश करें, जिनसे दूरियां बढ़ने का पता चलता है। ये संकेत आपके रिश्तें को बचाने का एक जरिया हो सकता है। इसमें कहीं हद तक आपकी समझदारी आपकी हेल्प करती है।

जब साथी कर रहा नजरअंदाज

आप ये जान लीजिए कि समाज हो या आपका घर, कहीं भी अचानक कुछ नहीं होता, चीजें धीरे-धीरे बदलती हैं। इसमें आपको थोड़ा समझदारी और संयम से काम लेना चाहिए। आपकी समझदारी ही आपके परिवार को इस आग की चपेट से निजात दिला सकती है। आपके व्यस्त जीवन के कारण ही आपका दांपत्य जीवन इस कंडीशन में आ गया है, ऐसे में आपकी सार्थक सोच ही आपके घर को फिर से हरा- भरा कर सकता है। सबसे पहले तो आपको अपने पिछले कार्यों को एक बार सोचना चाहिए। आखिर ऐसी दशा कहा से बन गयी और जल्दी अपने में सुधार ला दे, इसके साथ यदि आप अपने साथी को सॉरी बोल दे तो ज्यादा बेहतर है। इसके अलावा आप अपने साथी के शारिरिक संकेतों को समझने की कोशिश करिए। क्या आपका साथी पहले की तरह आप पर ध्यान नहीं दे रहा और आपकी बातों में रुचि नहीं ले रहे हैं?

आपके करीब आने पर आपका साथी असहज महसूस करता है। बेडरूम में आपको अनदेखा कर रहा है। बच्चों के मसले के अलावा और कोई विषय बातचीत का नहीं रह गया है। ये सब आप व्यक्त करना चाहें या नहीं लेकिन आपके शारीरिक संकेत बहुत कुछ कह देते हैं।

कोई और आ जाए जीवन में

ऐसे में आप दोनों पति-पत्नी के बीच प्रेम और लगाव की कमी भी रिश्तों में दूरियों के बढ़ने में अहम रोल निभाती है। अगर पहले जैसे प्यार की गरमाहट अब कहीं ढूंढने से भी नजर नहीं आ रही तो समझिए कि यह खतरे का संकेत है। यह ठीक है विवाह के शुरुआती दिनों के बाद रोमांस का खुमार धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं होता कि प्रेम बिलकुल नजर ही न आए। लेकिन आप दोनों चाहे तो आपका वैवाहिक जीवन फिर से भर सकता है।

आपसी अंडर स्टैंडिंग को बढ़ाएं

व्यवहार में बदलाव आपके बीच दूरियां बढ़ने का तीसरा संकेत है। क्या आपके साथी का अब आपकी बातों पर ध्यान नहीं जाता। गंभीर बातों को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। आपकी बातों का जवाब झुंझलाकर देते हैं। बेवजह गुस्सा करना इत्यादि। यदि ये सारे लक्षण उनके व्यवहार में नजर आ रहे हैं तो आप समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। ऐसे में आप अपने साथी से प्यार से बात करें, आखिर वो क्यों आपसे रूठा हुआ है। यदि आपको कोई जवाब नहीं मिले तो आप गुस्सा होने की बजाय सही समय का इंतजार करें और बात करने का कोई भी मौका न गंवाएं।

जब वो रहने लगे चुप-चुप

साथी का मौन सबसे खतरनाक व्यवहार होता है, इसका आपके व्यक्तित्व पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यदि आपका साथी आपके साथ अंतरंग पल नहीं बिताना चाहता तो समझो कि दूरियां बढ़ रही हैं। बेहद कठिनाई से बाहर जाने के बने कार्यक्रम में देखते हैं कि वहां केवल आप दोनों ही नहीं, कुछ और भी परिचित हैं, जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था।

जब रहे तनाव

जिंदगी एक खूबसूरत एहसास है। इसे संजीदगी से जीएं, तो इसका अपना ही मजा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें काम का प्रेशर, जिंदगी को जहन्नुम बनाते जा रहे हैं। मंहगाई की मार ने आज जहां दामपत्य जीवन को प्रभावित किया है वहीं महिलाओं को भी घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है। हर कंपनी आज अधिकाधिक मुनाफे के लिए अपने कर्मचारियों का भरपूर शोषण करती है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों का ख्याल, परिवार का पोषण इनके साथ में आफिस की टेंशन, ये जहां आपकी निजी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं आपके शरीर को भी अस्वस्थ कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार प्रेशर में काम करने से आपको हृदय रोग जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। क्या आपको पता है कि तनाव आपको जहां सही से काम करने से रोकता है वहीं इससे अवसाद होने की भी पूरी संभावना होती है। ऐसे में आपकी थोड़ी सी समझदारी ही आपको तनाव से मुक्ति दे सकती है। तनाव के हालात में काम करने से महिलाओं में हृदय रोग की आशंका पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि काम का तनाव पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अधिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आपको अपना काम करते समय धैर्य की आवश्यकता होती है। आपका धैर्य ही आपको कठिन से कठिन परिस्थिति में जीने की राह का निर्माण करती है।

एल्यूमीनियम को करें एवाइड

हाल ही में इस संदर्भ में हुए शोध कार्यों से जो तथ्य सामने आए हैं उनसे पता चलता है कि एल्यूमीनियम के बर्तनों को खाना बनाने के लिए प्रयुक्त करने से भोजन में भी एल्यूमीनियम के अंश शामिल हो जाते हैं। जो बाद में हमारे शरीर में जाकर हमें नुकसान पहुंचाते हैं।

इसे जानना जरूरी है

असल में एल्यूमीनियम एक क्रियाशील धातु होती है। यही वजह है कि वायु के सम्पर्क में आने से इसके ऊपर एल्यूमीनियम ऑक्साइड की पर्त जम जाती है। जब टमाटर, इमली, आम, नमक, मसाले, सिरका, दही या नींबू जैसी अम्लीय वस्तुएं इन बर्तनों में डाली जाती हैं, तो ये एल्यूमीनियम ऑक्साइड भोजन में मिल जाते हैं। इनसे मस्तिष्क के अलावा हृदय तथा पाचन तंत्र पर भारी असर पड़ता है। अत: एल्यूमीनियम के बर्तन इस प्रकार के अम्ल युक्त खाद्य पदार्थ बनाने या रखने के लिए बहुत खतरनाक हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एल्यूमीनियम की अधिकता मस्तिष्क की विचार क्षमता एवं स्मरण शक्ति को क्षीण कर देती है। यदि शरीर में एल्यूमीनियम अधिक मात्रा में पहुंच जाए, तो इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का भय रहता है। इनसे अल्जाइमर्स या डिमेंशा जैसे भयानक स्नायु रोग, गुर्दो व अस्थि रोगों का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

ये हो सकता है सुरक्षित

इतना ही नहीं, बल्कि एल्यूमीनियम के बर्तनों में बनाई जाने वाली चाय भी मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती है। एक शोध में पाया गया है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों में फलोराइड युक्त पानी उबाला जाता है, तो पानी में एल्यूमीनियम की और अधिक मात्रा घुल जाती है। बताया जाता है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों को विद्युतलेपन करके प्रयोग में लाया जाए, तब ये बर्तन अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो जाते हैं। इसी तरह अगर इन बर्तनों का प्रयोग अम्लीय पदार्थों के लिए नहीं किया जाता, तो भी इनसे उतना खतरा नहीं रहता।

आया ई-बाइक्स का जमाना

इन दिनों बाइक के प्रति युवाओं का रूझान देखते ही बनता है। जहां कंपनियां एक से बढ़कर एक मॉडल लांच कर रहीं हैं, वहीं मॉडीफाइड बाइकों का भी चलन तेज हुआ है। लेकिन अगर आप कुछ ऐसा लेना चाहते हैं, जो आपकी जेब के साथ ही पर्यावरण को रास आए। तो बेशक तैयार हो जाइए, कुछ ऐसे ही अनुभव के लिए ई-बाइक्स के साथ। जिसको बच्चे भी काफी पसंद कर रहे हैं। आइए जानते हैं, ई-बाइक्स की खासियतों के बारे में इन दिनों युवाओं के साथ बच्चों में ई-बाइक्स को लेकर भी काफी क्रेज देखा जा सकता है। जिसमें कई ऐसी विशेषताएं हैं, जिनसे आप बाइक का बिल्कुल एक नया अनुभव पा सकते हैं। वैसे इस बाइक का चलन कॉलेज के लड़कों में ज्यादा देखने को मिलात है। जिसे दिलाने में पैरेंट्स को भी कोई परेशानी नहीं होती है।

लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन से फुर्सत

इस वक्त बाजार में दो तरह की ई-बाइक्स हैं- लो स्पीड और हाई स्पीड की बाइक। हाई स्पीड बाइक चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत होती है, लेकिन लो स्पीड बाइक्स में इसकी कोई जरूरत नहीं है। इनकी यही खूबी इन्हें 14-18 साल तक के बच्चों के लिए बेस्ट गिफ्ट बनाती है। तो फिर देरी किस बात की, इस बर्थ-डे पर अपने बच्चे को दीजिए, ऐसा ही कुछ प्यारा सा तोहफा।

फ्यूल नो प्राब्लम

आजकल हर कोई पेट्रोल के बढ़ते दामों से परेशान है, लेकिन ई-बाइक खरीदकर आप पेट्रोल के खर्चे से आसानी से बच सकते हैं, क्योंकि इन बाइक्स को चार्ज करके आसानी सफर किया जा सकता है। जिसको चार्ज करने में भी बिजली की खपत काफी कम होती है। यानि की इस बाइक को जरूरत पड़ने पर बड़ों के साथ बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर कदम पर साथ

आज के आधुनिकता के समय में बैंकों कि भूमिका दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाएं इससे कहां तक अछूती रह सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भी फाइनेंस मैटर्स में रुचि लेना शुरू कर दिया है और वे इन्वेस्टमेंट्स, टैक्स प्लानिंग आदि पर ध्यान देने लगी हैं। महिलाओं में बैक और पैसे के मैनेजमेंट को लेकर बढ़ रही रुचि को देखते हुए आजकल बैंक वगैरह भी कई लेडीज स्पेशल योजनाओं को बाजार में ला रहे हैं।

आपकी अपनी योजनाएं

- कई बैंक्स न्यूनतम बैलेंस से लेकर फ्री क्रेडिट या डेबिट कार्ड का ऑफर देते हैं।
- कुछ में ज्वेलरी इंश्योरेंस की स्कीम्स हैं, तो कुछ में एक्सीडेंट इंश्योरेंस की।
- चडीएफसी बैंक का ईजी शॉप वूमेंस एडवांटेज कार्ड एक वर्ष तक लॉकर फीस पर 50 प्रतिशत छूट देता है और साथ ही फ्री बिल पेमेंट सर्विस भी देता है।
- महिलाओं को दिए जाने वाले ज्यादातर कार्डस पर सोने की खरीदारी पर विशेष छूट से कुछ खास खरीदारी पर कैश बैक स्कीम तक शामिल हैं।
- सिटी बैंक के वूमेंस वीजा सिल्वर कार्ड फ्री कार्ड के साथ एक अतिरिक्त फ्री कार्ड देता है, साथ ही हर 200 रुपए पर एक रिवॉर्ड पॉइंट के अलावा कुछ खास खरीदारी पर भी छूट देता है।
- एबीएन एम्रो की शक्ति सेविंग एकाउंट योजना में 5000 रुपए के न्यूनतम बैलेंस के साथ एक क्रेडिट कार्ड फ्री की सुविधा भी है।
- एक्सिस बैंक की स्मार्ट प्रीविलेज में न्यूनतम बैलेंस 10,000 रुपए हैं और जीरों बैलेंस माइनर एकाउंट के साथ-साथ डेबिट कार्ड पर ज्वेलरी इंश्योरेंस की सुविधा है।
- इनके अलावा बैंकों द्वारा महिलाओं को विशेष तौर पर लोन में भी कई सुविधाएं दी जाती हैं।
- ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स महिलाओं के लिए लोन पर 0.5 प्रतिशत का छूट देता है।
- कुछ बैंक्स जैसे कॉर्पोरेशन बैंक आदि सोना या गहने खरीदने के लिए कम ब्याज दर पर कामकाजी और गृहणियों को लोन मुहैया करवाते हैं।
- लड़कियों की शिक्षा के लिए भी एजुकेशन लोन कम ब्याज दर पर मुहैया करवाते हैं।
- प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत भी कई बैंक्स खास स्कीम्स व ऑफर्स देते हैं। जिनमें लोन क्रेडिट कार्ड, एकाउंट्स पर लोन उपलब्ध कराते हैं।
- कन्या विवाह सुविधा स्कीम के तहत स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद धन उपलब्ध कराता है। सोने के गहनों की खरीदारी पर भी विशेष छूट मिलती है।
- कामकाजी व घरेलू महिलाओं को भी आंध्रा बैंक स्वर्णभरण स्कीम के तहत सोने की खरीदारी पर विशेष छूट व लोन उपलब्ध कराता है।
- स्त्री शक्ति पैकेज के तहत भी कुछ बैंक महिला रोजगार या व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खास छूट देते हैं।
- कॉर्पोरेशन बैंक की वनिता उद्योग स्कीम और केनरा बैंक की महिला निधि स्कीम छोटे व्यापार के लिए महिलाओं को सॉफ्ट लोन उपलब्ध कराते हैं।

- एसएमई यानी स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज के लिए इलाहाबाद बैंक और आंध्रा बैंक कम ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध कराता है।
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ' स्व रोजगार में शामिल महिलाओं व कामकाजी महिलाओं को प्राइमरी दिवा कार्ड भी कामकाजी या घरेलू महिला को उपलब्ध कराता है।
- इसी तरह से सिटी बैंक का वुमन वीजा मनी कार्ड, एचडीएफसी का वुमेंस गोल्ड कार्ड, आईसीआईसीआई का बिग बाजार शक्ति क्रेडिट कार्ड, महिलाओं को विशेष छूट देता है।
- आपको बता दें कि कुछ कार्ड्स कैश बैंक की सुविधा देते हैं तो कुछ गिफ्ट्स ऑफर करते हैं। खास खरीदारी पर जैसे एचडीएफसी का ईजी शॉप वुमेंस एडवांटेज डेबिट कार्ड, सिटी बैंक का ग्रॉसरी डेबिट कार्ड और यूटीआई का स्मार्ट प्रीविलेज एकाउंट वुमेंस स्पेशल कार्ड उपलब्ध कराता है।

चोरों ने तीन मकानो को बनाया निशाना, कई लाखों का जेवरात सहित नगदी पार

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड न 15 में बुधवार की रात्रि को चोरों ने तीन मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं नगर पालिका वाइस चेयरमैन रामेश्वर प्रसाद यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि चोर तीनों मकानो से करीब साढ़े पांच लाख रुपए का जेवरात सहित नगदी चुरा ले गए।इस दौरान चोरों ने सुल्तान यादव वार्ड नंबर 15 कादोलाई के रास्ता पर सोने का मंगलसूत्र,सोने की जोली, 6 चांदी की अंगूठी,5 हजार नगद सहित एंड्रॉयड मोबाइल,वही बिरदीचंद यादव वार्ड नंबर 15 ऊंचा धोरा की ढाणी में दो पाजेव, एक माला चादी, 7 चादी की अंगूठी,10 हजार नगद ,वही ओमकार यादव वार्ड नंबर 15 ऊंचा धोरा की ढाणी चांदी के दो गुडला, चांदी के दो कड़े, गले की तीन चैन, एक लोकेट,10 अंगूठ,करीब 47 हजार रु नगद चुरा ले गए। इधर पीड़ितों ने विराटनगर थाने में गुरुवार को मामला दर्ज करवाया।फिलहाल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

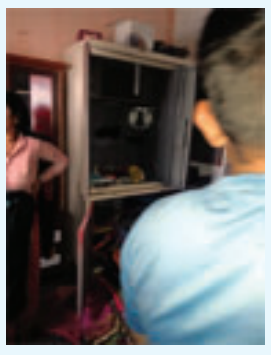

सीएम का दो दिवसीय विजिट आज से, मण्डावा से होगी शुरूआत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगामी झुंझुनूं दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। दौरे की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा और पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने विभिन्न रूट पॉइंट्स का निरीक्षण किया। उन्होंने गुढ़ा मोड़, ढिगाल टोल प्लाजा, मुकुंदगढ़ और मंडावा का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 20 अप्रैल को झुंझुनूं के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री का ज़ोर क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा और आमजन की समस्याओं को जानने पर केंद्रित रहेगा।

20 को मंडावा से होगी शुरुआत, प्रशासन अलर्ट मोड पर

जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि मुख्यमंत्री का दौरा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हो। पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे और किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यमुना जल परियोजना पर रहेगा खास फोकस

इस दौरे की एक महत्वपूर्ण संभावना यमुना जल परियोजना की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने से जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं, जिससे क्षेत्र की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान निकलने की उम्मीद है।

तैयारियों लगे अधिकारी

मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण दौरे को सफल बनाने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता और ज़िला प्रशासन के अधिकारी संयुक्त रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के साथ-साथ जनसभा स्थलों और सर्किट हाउस में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह दौरा झुंझुनूं जिले के विकास और आमजन की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कलेक्टर और एसपी ने देखी व्यवस्था

गुढ़ा मोड़ कलेक्टर और एसपी ने गुढ़ा मोड़ पर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए। ढिगाल टोल प्लाजा ढिगाल टोल प्लाजा पर भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। टोल प्लाजा पर वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री के मुकुंदगढ़ और मंडावा दौरे के मद्देनजर, इन स्थानों पर भी सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं।

मंडावा में करेंगे प्रवेश आज

मुख्यमंत्री के दो दिवसीय कार्यक्रम के अनुसार उनका झुंझुनूं पहुंचने पर विधानसभा क्षेत्रवार भाजपा नेताओं की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री 20 अप्रैल को सुबह फतेहपुर से मंडावा आएंगे। इसके बाद मुकुंदगढ़ जाएंगे। फिर झुंझुनूं पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चार अलग-अलग स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित करेंगे। आमजन की परेशानियों को गहराई से समझने के लिए मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में डेढ़ घंटे की विशेष जनसुनवाई भी करेंगे। इस दौरान जिले के लोग अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रख सकेंगे, जिससे सरकार को जमीनी स्तर की चुनौतियों का आकलन करने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

प्रशासनिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण रहने वाला है। वह ज़िले के उच्च अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में सरकार की ओर से घोषित बजट की प्रगति और विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर गहन चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री लंबित परियोजनाओं को गति देने और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर सकते हैं।

बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। बंगाल में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की बर्खास्तगी राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद, संघ परिवार व सनातनी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शनिवार की शाम उपखंड कार्यालय के आगे विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम नायब तहसीलदार मुरारीलाल को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को हिंसा की आग में जलाया जा रहा है। वहीं हिंदू समाज के लोगों पर हिंसा की जा रही है। यह स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। मुर्सिदाबाद से प्रारंभ हुई हिंसा संपूर्ण बंगाल में फैल रही है। वहीं बंगाल की ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को ध्वस्त कर अपनी सरकार और वोट बैंक को सुरक्षित करने में लगी हुई है। बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है और पाकिस्तानी व बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। इसलिए बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए और हिंसा की जांच एनआईए की ओर से करवाई जाए। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व सनातनी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवनारायण महाराज के भंडारा आज

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। कस्बे के निकटवर्ती बागावास अहिरान के तालियारा में स्थित देवनारायण महाराज के विशाल भंडारे सहित वार्षिक मेले का आयोजन रविवार को होगा।इस दौरान आयोजनकर्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 7 बजे विशाल पदयात्रा बाबा बालनाथ आश्रम बावड़ी से देवनारायण देव धाम तलियारा साबी नदी पहुंचेगी।वही 9.15 बजे हवन में पूर्ण आहुति दी जाएगी वतत्पश्चात भंडारे का आयोजन होगा। महासी जगराम, कान्हा गुजरी , मुकेश पटेल द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।वही गुरूजी दाताराम मीना,कमेटी अध्यक्ष हवासिंह चौधरी, गोठिया सुगन चंद,रोहिताश,मुरारी ,महेश ,राकेश , मुकेश , पप्पु ,ताराचंद,विष्णु ,वंश,पियूष सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव को लेकर पोस्टर विमोचन किया

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे में शनिवार को विप्र सेना के सदस्यों सहित समाज बंधुओं द्वारा जन्मोत्सव का पोस्टर विमोचन किया गया। पार्षद दिनेश शर्मा ने बताया कि 29 अप्रैल मंगलवार को भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव को लेकर विप्र सेना व समस्त ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य कलश व शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। वहीं आयोजन को लेकर शनिवार को नीलकंठ महादेव मंदिर में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें सभी समाज बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। भव्य कलश व शोभा यात्रा 29 अप्रैल को नीलकंठ महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर कोटखावदा मोड मुख्य बाजार सब्जी मंडी हॉस्पिटल के सामने होती हुई महर्षि गौतम बगीची पहुंचकर कार्यक्रम का समापन होगा। जिसमें भारी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा सहित समाज बंधु शामिल होंगे। मीटिंग में कैलाश चंद शर्मा, दिनेश पोस्टमैन, रामावतार अध्यापक, राजेंद्र गोस्वामी, सर्वेश्वर, महेश ढूंसरी, केदार शर्मा, के बी शर्मा, नीरज शर्मा, केशव गौतम, सुनील बत्रा, सुनील तिवारी, पंडित छीतर मल शर्मा, महेश शर्मा, उमेश, रामराज, गिर्राज, बंटी, शंकर जोशी सहित समाज के वरिष्ठ युवा समाज बंधु मौजूद रहे।

फुलेरा में आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण पखवाड़ा आयोजित

जीवन के प्रारंभिक 1000 दिनों पर रहा विशेष फोकस

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। बालाजी बाईपास रोड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन परियोजना अधिकारी एलएस बीनू पाठक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें "जीवन के प्रारंभिक 1000 दिन" विषय पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरिता वर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद पूजा भाटी उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर महिला भाजपा संयोजक सुमित्रा नाथावत और रा. प्रा. विद्यालय, वार्ड संख्या 17 की प्रधानाध्यापिका अनुपमा शर्मा मौजूद रहीं।एलएस बीनू पाठक ने अपने संबोधन में कहा, "बच्चे के पहले 1000 दिन पोषण की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आहार और देखभाल से उसका भविष्य बेहतर बनता है।"उन्होंने माताओं को बच्चों के आहार, टीकाकरण, स्वच्छता और मानसिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं के साथ संवाद सत्र भी रखा गया, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और पोषण संबंधित सवाल पूछे।इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों और महिलाओं को पौष्टिक भोजन की जानकारी देने वाले पोस्टर, खेल और गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया।अंत में सभी अतिथियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयासों की सराहना की और उपस्थित महिलाओं से पोषण जागरूकता को अपने समुदाय तक पहुँचाने की अपील की।

शिवदासपुरा पुलिस ने लूट व हत्या करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

आरोपियों से एक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो मैगजीन बरामद की गई

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के शिवदासपुरा थाना इलाके में पिछले दिनों 12 अप्रैल को हुई कैब चालक मुनेश की हत्या के मामले में शिवदासपुरा थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को डिटेन किया गया है। वहीं टैक्सी चालक की गोली मारकर हत्या के मामले में थानाधिकारी बृजमोहन काबिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई। वहीं डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने निर्देशानुसार वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि 12 अप्रैल को प्रताप नगर थाना इलाके में अक्षय पात्र चौराहे के पास छ से सात अज्ञात युवकों ने एक टैक्सी चालक को पैसे लेकर इंडिया गेट चलने की बात कही और कार में बैठकर चालक को बंधक बनाकर कार लूटने के लिए उसके साथ मारपीट की और पेट में गोली मारकर उसकी हत्या करने के बाद शव को द्रव्यवती नदी में फेंक दिया। जिसके बाद पुलिस ने बड़ी मुश्किल से शव की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना देकर शव सौंप दिया। आरोपियों ने पुलिस के सामने कबूला कि उन्होंने मुनेश मीना के पेट में गोली मारी और शव को द्रव्यवती नाले में फेंक दिया। आरोपियों से एक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो मैगजीन बरामद की गई है।

रोहतक के व्यक्ति से ठगी के 2 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

रोहतक(निसं.) रोहतक में भैंस बेचने के नाम पर 85 हजार रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपियों को 3 दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस मामले में गहनता से जांच करते हुए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कलानौर थाना प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह ने बताया कि कलानौर निवासी अनिल की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अनिल ने भैंस लेने के लिए फेसबुक पर लक्ष्मी डेयरी नाम से सर्च करने पर एक मोबाइल नम्बर आया। लक्ष्मी डेयरी के माध्यम से भैंस बेची जाती है जो वीडियो कॉल करके दिखाई जाती है। 80 हजार रुपए में भैंस का सौदा तय किया गया। अनिल ने बताया कि 6 दिसंबर 2024 को उसके पास फोन आया कि 6 हजार रुपए ट्रांसफर कर दें। बाकी रकम भैंस मिलने के उपरांत कर देना। 7 दिसंबर 2024 को अनिल के पास 16 हजार 500 रुपए और भेजने के लिए कहा गया। अनिल ने आरोपियों के कहे अनुसार अलग-2 ट्रांजैक्शन में कुल 85 हजार 400 रुपए ट्रांसफर कर दिए, लेकिन फिर भी भैंस नहीं मिली। मामले की जांच कर रहे प्रवीण ने बताया कि 17 अप्रैल 2025 को आरोपी अरबाज और मुफीद निवासी गांव गांवड़ी राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक- 195-219 दिनांक- 18.04.2025

अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या- 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती है ।

NIB No. - PWD2526A0196

S.No.	UBN NO.
1	PWD2526WSOB00611

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

बिजली कटौती का दोहरा झटका!

फुलेरा में 5-6 दिन में एक बार मिलता है पानी, अब बढ़ेगी बिजली की मार

फुलेरा ओर सांभर लेक के नागरिकों में गहराई चिंता की लकीरें

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। गर्मियों की शुरुआत के साथ ही फुलेरा और सांभर लेक के लोगों पर बिजली और पानी का दोहरा संकट मंडराने लगा है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल आपूर्ति के दौरान हर दिन दो बार बिजली कटौती की घोषणा ने आमजन की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

क्या है नई व्यवस्था?

अब प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक और शाम 5 से 6 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। विभाग का दावा है कि यह कदम मोटरों की सुरक्षा और अनावश्यक बिजली खपत को रोकने के लिए उठाया गया है।

लेकिन यहीं नहीं थमा विवाद...

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जलदाय विभाग के एक अधिकारी ने बिजली विभाग को अतिरिक्त आदेश जारी करते हुए आधा घंटे की और कटौती लागू करने की सिफारिश की है। इस फैसले ने नागरिकों की चिंता और नाराज़गी दोनों को बढ़ा दिया है।

फुलेरा की हालत और भी गंभीर

जहां अन्य क्षेत्रों में पानी की सप्लाई नियमित रूप से हो रही है, वहीं फुलेरा कस्बे में 5 से 7 दिन के अंतराल पर ही पानी की आपूर्ति हो रही है। ऐसे में बिजली कटौती के इस फैसले से पीने के पानी की समस्या और भी भयावह हो सकती है। व्यापारी वर्ग, दुकानदार और आमजन पहले ही गर्मी की मार झेल रहे हैं, अब बिजली कटौती ने उनकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है।

जनता के सवाल, जवाब कौन देगा?

क्या यह निर्णय जमीनी हकीकत को जाने बिना लिया गया है?

जहां पहले से पानी की किल्लत है, वहां बिजली काटना कितना सही है?

आखिर जिम्मेदारी कौन लेगा इस अव्यवस्था की?

जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए

इस गंभीर समस्या पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी और उदासीनता भी सवालों के घेरे में है। जनता का कहना है कि इस स्थिति में उन्हें अपनी आवाज़ उठानी चाहिए, लेकिन फिलहाल जनप्रतिनिधि कोई ठोस कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधे हुए हैं।

जनता की मांग - समाधान चाहिए, बहाने नहीं!

स्थानीय लोगों का कहना है कि विभागों को चाहिए कि वे पहले क्षेत्र की स्थिति का गहन अध्ययन करें और उसके बाद ही कोई निर्णय लें। वरना यह संकट सिर्फ प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रतीक बनकर रह जाएगा।

उदघोषणा (इश्तहार) न्यायालय

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना साधारण प्रारूप व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहले अनूसूची सख्यांक 04

न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश महोदय सुजानगढ

नम्बर मुकदमा 04/2025

1. चम्पा देवी पत्नी स्व. टीकूराम आयु 50 वर्ष निवासीनी कांलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला जिला चूरू। मॉबाईल नं 9529504535 प्रार्थीनी

बनाम

1. सर्वसाधारण हर आम व खास ।
2. देविका पुत्री स्व. टीकूराम पत्नी श्री छोटूराम आयु 25 वर्ष निवासीनी कांलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला जिला चूरू हाल नि. ग्राम बिग्गा तहसील श्री डूंगरगढ जिला बीकानेर राज ।
3. बाबुलाल पुत्र स्व. स्व. टीकूराम पत्नी श्री छोटूराम आयु 25 वर्ष निवासीनी कांलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला जिला चूरू राज. ।
4. राकेश पुत्र स्व. टीकूराम पत्नी श्री छोटूराम आयु 25 वर्ष निवासीनी कांलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला जिला चूरू राज ।
5. भोलाराम पुत्र स्व. टीकूराम पत्नी श्री छोटूराम आयु 25 वर्ष निवासीनी कांलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला जिला चूरू ।
6. भारतीय स्टेट बैंक (स्टेट बैंक ऑफ बीकोनर एण्ड जयपुर) शाखा कस्बा बीदासर जिला चूरू राज जरिये शाखा प्रबंधक महोदय

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उतराधिकार अधिनियम

श्रीमानजी,

सर्व साधारण हर आम व खास को इस अखबार साया के सूचित किया जाता है। कि प्रार्थीनी ने अपने पुत्र मृतक जीतमल पुत्र स्व. टीकूराम जाति मेघवाल निवासी कोलेरो की ढाणी तहसील बीदासर जिला चूरू राज के पक्ष मे 50,000/- रूपये की एक एफ. डी. आर. संख्या CB/A 875781 दिनांक 25/08/2011 स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) शाखा बीदासर के खाता संख्या 61139500343 मे 10 वर्ष के लिये जारी की गई जिसकी परिपक्वता दिनांक 25/08/2021 थी। इस एफ.डी.आर. की परिपक्वता राशि प्राप्त करने के लिए उतराधिकर प्रामाण पत्र प्राप्ति हेतु प्रार्थीनी ने प्रार्थना पत्र न्यायालय श्रीमानजी के समक्ष प्रसुत किया है जिस बाबत किसी भी व्यक्ति को आपति हो तो वह दिनांक 22/04/2025 को सुबह 07.30 बजे इस न्यायालय मे व्यक्तिशः या अधिवक्ता द्वारा उपस्थित आवे अन्यथा विधि अनुसार प्रार्थना पत्र की सुनवाई कर निर्णय कर दिया। जावेगा ।

यह नोटिस आज दिनांक 03/04/2025 जारी किया गया है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश सुजानगढ

शराब की दुकान खोलने का विरोध

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में वार्ड सं 17 में शराब की दुकान खुलने का भाजपा मण्डल कार्यकर्ताओं और मोहल्लेवासियों ने विरोध जताया। जिसको लेकर लोग थाना परिसर पहुच कर थानाधिकारी के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में लिखा है कि वार्ड सं 17 में एक आवासीय घर में अधिकृत शराब की दुकान खुली है। इस मार्ग पर बालक बालिकाए विद्यालय जाने का रास्ता है। यदि यहां शराब ठेका खुला तो बालिकाओं को विद्यालय जाने में काफी परेशानी होगी और अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना है। इस सरकारी शराब की दुकान को तुरंत बन्द करने की मांग की है। यदि शराब की दुकान बन्द नहीं की तो मजबूरन आन्दोलन करना पड़ेगा। ज्ञापन में भाजपा कार्यकर्ताओं और मोहल्लेवासियों के हस्ताक्षर है।

नशे के तस्कर को सुनाई तीन साल की सजा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय अपर जिला व सत्र न्यायालय ने एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को 3 साल के कठोर कारावास की सजा से दण्डित किया है। अपर लोक अभियोजक श्याम सुंदर खंडेलवाल ने बताया कि 2016 में छापर पुलिस ने लहसुन प्याज से भरे हुए ट्रक की चैकिंग की। जिस पर पुलिस ने जगतारसिंह पुत्र धानसिंह, निवासी पंजाब को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो डोडा पोस्त बरामद किया था, जिसका कोई लाईसेंस पर परमिट आरोपी के पास से बरामद नहीं हुआ था। न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा चला और अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाहों के बयान दर्ज करवाए गए और 46 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाये गये। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एडीजे न्यायाधीश महेंद्र प्रताप भाटी ने अभियोजन पक्ष के तर्कों को मानते हुए आरोपी को दोषसिद्ध ठहराया और 3 साल के कठोर कारावास और 5 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया। अपर लोक अभियोजक श्याम सुंदर खंडेलवाल ने बताया कि प्रकरण में जप्तशुदा ट्रक को नीलाम करने के आदेश दिए हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में अपर लोक अभियोजक एडवोकेट श्याम सुंदर खंडेलवाल ने पैरवी की। सजा सुनाने के बाद कांस्टेबल नंदकिशोर शर्मा ने सजायाप्ता जगतारसिंह के फिंगर प्रिंट लिए।

पेयजल किल्लत से निजात दिलाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राष्ट्रीय लोकदल राजस्थान अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष इलियास खान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर गर्मी के मौसम में जनता को पेयजल किल्लत से राहत दिलाने के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को पाबंद करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि चूरू, जैसलमेर, बीकानेर, झूंझनू, सीकर, नागौर आदि जिलों में गर्मी में काफी पेयजल किल्लत रहती है, इसलिए पेयजल विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को पाबंद करने की मांग की है, ताकि जनता को दिक्कत न हो।

पिकअप की टक्कर से बाइक चालक की दर्दनाक मौत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के बीकानेर रोड़ पर महाराणा प्रताप स्कूल के पास पिकअप व बाइक की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक अपनी गाड़ी को लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के आने के बाद पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक के भाई राजपालगर पूत्र मालगर गोस्वामी निवासी भोजासर छोटा ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया कि मेरा भाई राकेशगर उम्र 20 साल बाइक लेकर सरदारशहर बीए का पेपर देने आया था। मेरा भाई पेपर देकर कृषि मंडी काम से जाकर वापस गांव आ रहा था कि बीकानेर रोड़ पर महाराणा प्रताप स्कूल के पास पहुंचा तो सामने से आ रही पिकअप के चालक ने पिकअप को लापरवाही व गलत चलाते हुए मेरे भाई की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे मेरा भाई सड़क पर गिरने से उसके सर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

जन्मदिन पर राठौड़ का अभिनंदन

डबल इंजन की सरकार राज्य की खुशहाली व समृद्धि के लिए संकल्पबद्ध : राजेन्द्र राठौड

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने डबल इंजन की सरकार में ईआरसीपी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्य की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए संकल्पबद्ध है, ये जनता की सरकार है, हर घर में शुद्ध पीने का पानी पहुंचाना, सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। वे शनिवार को गांगियासर स्थित श्रीराय माता मन्दिर प्रांगण में अलसीसर के पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़ व उनकी टीम की ओर से आयोजित अपने अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि राजेन्द्र राठौड़ के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में यह अभिनंदन समारोह हुआ है। राठौड़ कहा कि प्रदेश की भजनलाल शर्मा की सरकार ने पिछले एक वर्ष में जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उससे प्रदेश आज विकसित राज्य बनने की और अग्रसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री की सरकार की प्रमुख उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि अब प्रदेश के लोगो में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। इस सरकार ने भी आम जनता, किसान, मजदूर को केन्द्र में रखकर कार्य किए है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी अंचल में भी पिछले एक वर्ष में जो कार्य इस सरकार ने किए हैं वे अपने आप में बताने के लिए पर्याप्त हैं कि आगामी दिनों में शेखावाटी क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी। महत्वपूर्ण योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि अब इस सरकार में योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं।

यमुना जल समझौता जिले की बदलेगा तस्वीर

राठौड़ ने सरकार की ओर से यमुना जल समझौते की चर्चा करते हए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने किसानों को जो ये सौगात दी है। उससे यहां के किसानों का जीवन स्तर और भी अच्छा बनेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार राजस्थान के इतिहास में पहली सरकार है जिसने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में 1.25 हजार करोड़ रुपए कि विकास कार्यों की स्वीकृति जारी की हैं। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने जो अपने एक वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं उससे प्रदेश का आम जन किसानों के दिलों में उम्मीद की किरण जगी है। झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू, भाजपा प्रदेश महामंत्री सन्तोष अहलावत, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार, पूर्व प्रधान सुशीला सीगड़ा, राज्यमंत्री रामगोपाल सुथार, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, विशम्बर पूनिया आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, बिजेन्द्र उर्फ टिल्लू और गोखरी सरपंच ललिता खीचड की अगुवाई में 51 किलो फूलो की माला से स्वागत किया गया और राठौड़ ने तलवार से केट काटकर सभी को खिलाया। कार्यक्रम में भाजपा नेता प्यारेलाल ढूकिया, संदीप शर्मा, काशीराम गोदारा, राजेश बाबल, मंहत दशमीगिरि महाराज, बिसाऊ के पूर्व चेयरमैन हारून खत्री, पवन मावडिया, सरपंच मुकेश झाझडिया, दयानन्द महला, सुरेश बिरमी, पूर्व प्रधान विमला चौधरी, अरूणा सिहाग, महेन्द्र चन्दवा सहित हजारों लोग मौजूद रहे

नोहरे में लगी आग, रिहायशी इलाका होने से मची अफरा तफरी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के घंटाघर के पास बालिका विद्यालय की गली में एक खाली पड़े नोहरे में आग लगने से रिहायशी इलाका होने से अफरातफरी मच गई। खाली पड़े नोहरे में सूखी घास होने के कारण आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगी। आसपास के लोगों ने तुरंत पास से गुजर रही विद्युत लाइन की सप्लाई को बिजली विभाग में फोन करके बंद करवाया व तुरंत नगर परिषद की दमकल को सूचना देकर मौके पर बुलाया। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल के कर्मचारी सुमेरसिंह चौधरी, मातादीन व शीशराम ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर मौजूद मुकेश भामा ने बताया कि नरेंद्र आंचलिया का यह नोहरा है जो वर्षों से बंद पड़ा है। इसके अंदर पेड़ पौधों की सुखी घास अधिक होने के कारण अज्ञात कारणों से आग लग गई और रिहायशी इलाका होने के कारण तुरंत दमकल को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाया गया है। जिससे आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं आग की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। फिलहाल मौके पर पहुंची दमकल के कर्मचारियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया गया।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के निकटवर्ती ग्राम ढ़ाणी लालसिंहपुरा में रविवार को होने वाली हरिराम बाबा व बालाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। आयोजन समिति के पालीराम सैनी ने बताया कि कलश यात्रा शिव मंदिर से रवाना होकर मुख्य मार्गों से होते हुए हरीराम बाबा मंदिर पहुंची। कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिलाएं सिर पर कलश धारण कर और डीजे पर नाचती-गाती मंदिर परिसर पहुंची। कलश यात्रा से वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान सांवरमल सुईवाल व रामकरण गुसाई ने सपत्नीक पूजा-अर्चना की। पंडित सांवरमल शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवाई। कलश यात्रा के बाद हवन व सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सांवरमल शर्मा एंड पार्टी ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन किया। ग्रामीणों ने बताया कि रविवार को मूर्ति-प्राण

प्रतिष्ठा के बाद भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सत्यनारायण कारोड़िया, ओम प्रकाश, सांवरमल दहिया, गोपालराम, हरलाल, राधेश्याम, बजरंगलाल कारोड़िया, मोतीराम, शीशपाल, तनुराम, गोपीराम, भीमराज, सुभाष, नागरमल, इन्द्रचंद, प्रमोद, दिनेश, नंदलाल, हरित सैनी, राजकुमार, महेश सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

विश्व लीवर दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल में विश्व लीवर दिवस के उपलक्ष पर राज्य सरकार व उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि विश्व लिवर दिवस 2025 की थीम फूड इज मेडिसिन है। इस अवसर पर भारत सरकार की ओर से विश्व लीवर दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खाद्य तेल का सेवन कम से कम 10 प्रतिशत कम करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मोटापे से लड़ने की अवेरनेस फैलाने की शपथ ली गई।

गीतांजली स्कूल के नव निर्मित भवन में पाँच दिवसीय अनुष्ठान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मालजी के कमरे के पास स्थित गीतांजली पब्लिक सी.सै. स्कूल के नव निर्मित भवन में पाँच दिवसीय पूजा-पाठ के अनुष्ठान के कार्यक्रम की शुरुआत पण्डित रवि शर्मा व उनकी टीम की ओर से की गई। जिसके अन्तर्गत प्रथम दिन श्रीगणेश पुजन कर कार्यक्रम का शुभआरम्भ किया गया। द्वितीय दिवस को भवन में अध्यात्मिक वातावरण व शुद्धीकरण के लिए रुद्राभिषेक, तृतीय दिवस को श्री दुर्गा सप्तमी पाठ का आयोजन किया गया। चतुर्थ दिवस को राकेश दाधीच व उनकी टीम की ओर से संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन रखा गया। जिसमें शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्तिम दिवस को यज्ञ कर पूर्णा आहुति का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन दामोदर गौतम, निदेशक गौरव गौतम व प्रबंध निदेशक विनय गौतम ने अपने परिजनों व गीतांजली परिवार के सदस्यों के साथ अनुष्ठान में भाग लिया।

भावी पीढ़ी में विरासत के संरक्षण और संवर्द्धन का हो दायित्व भाव: पोद्दार

विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष में पेंटिंग प्रतियोगिता, विजेताओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष में शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित नगरश्री में चूरू नगरपरिषद, इन्टेक शेखावाटी चेप्टर, श्रुति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में हेरिटेज पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र -छात्राओं व प्रतिभागियों ने हेरिटेज वॉक कर चूरू शहर की हवेलियों व ऐतिहासिक विरासत का अवलोकन किया। नगरश्री में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए श्रुति फाउंडेशन की फाउंडर श्रुति नड्डा पोद्दार ने कहा कि हमारी विरासत का संरक्षण व संवर्द्धन हमारा दायित्व है। भावी

पीढ़ी में इस दायित्व भाव का विकास हो और हम सभी मिलकर हमारी धरोहर के संरक्षण के लिए समन्वित प्रयास करें। इस अवसर पर संबोधित करते हुए चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने कहा कि चूरू और शेखावाटी क्षेत्र ऐतिहासिक धरोहर का केंद्र हैं। यहां की हवेलियों का स्थापत्य सम्पूर्ण विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। सरकार की ओर से भी शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। हम सभी अपनी विरासत को पहचाने और जड़ - जमीन से जुड़कर अपनी समृद्ध विरासत का संरक्षण करें। नगरश्री सचिव श्यामसुंदर शर्मा ने चूरू अंचल की ऐतिहासिक विरासत व धरोहर से जुड़ी जानकारी साझा की। आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य भावी पीढ़ी में सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करना था। उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्य मुकुल भाटी व व्याख्याता अभिलाषा भाटी ने प्रतियोगिता आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इस दौरान नगरपरिषद जिला परियोजना अधिकारी भारत भूषण पूनिया, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) सुशील, भण्डारपाल महेन्द्र डाबी, व्याख्याता अभिलाषा भाटी, अजय, रोमिल, पदमसिंह, मधुसूदन जांगिड़, रवि शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन मुकुल भाटी ने किया।

विजेताओं का किया सम्मान

पेंटिंग प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कक्षा 01 से 08 तक और सीनियर वर्ग में 09 से 12 व कॉलेज विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 5 विद्यालय व 1 महाविद्यालय 72 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम निकुंज दाधीच, नाजिया द्वितीय, नेवेधा वर्मा तृतीय व सीनियर वर्ग में वंशिका प्रथम, सिया नायक द्वितीय व दिविष तृतीय और जूनियर वर्ग में धनवी, आयषा, आलिया, चेतन, फातिमा व सीनियर वर्ग में सुमित, चारवी जांगिड़, निधिमा, मनत सोनी, दीक्षिता को सांत्वना पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र व मेमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। श्रुति फाउंडेशन की ओर से श्रुति नड्डा पोद्दार की ओर से जूनियर व सीनियर वर्ग में प्रथम विजेता को 3 हजार रुपए, द्वितीय को 2 हजार रूपए, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 1000 रुपए और दोनों वर्ग के प्रत्येक प्रतिभागी को 200 रुपए का सांत्वना पुरस्कार और नगरपरिषदआयुक्त अभिलाषा सिंह ने विजेताओं को मेमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गए।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।